भाद्रपद शुक्ल पक्ष 3-4, 2083
डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26
वर्ष-10, अंक - 69
बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो
भोपाल, सोमवार 14 सितंबर 2026

सत्ता परिवर्तन के बाद शुभेंदु सरकार से उम्मीदें और चुनौतियों का अम्बार

सत्ता परिवर्तन के बाद बंगाल में शुभेंदु अधिकारी सरकार से उम्मीदें तेजी से बढ़ी हैं और जमीन पर चुनौतियां भी कम नहीं हैं।

राजेश सिरोठिया

कोलकाता ग्राउंड रिपोर्ट
पार्ट -2

कोलकाता की सड़कों से लेकर सीमावर्ती इलाकों तक बातचीत में लोगों ने रोजगार, सुरक्षा, राजनीतिक हिंसा और प्रशासनिक भरोसे को सबसे बड़ा मुद्दा बताया। अब सरकार के सामने सबसे बड़ी कसौटी घोषणाओं को बदलाव में दिखाने की है।

दरअसल, आम लोगों से हुई बातचीत बदलते बंगाल की तस्वीर को सरकारी फैसलों से कहीं ज्यादा मानवीय बनाती है। हम दिन भर सीमा सुरक्षा, केंद्रीय योजनाओं, रोजगार और कानून-व्यवस्था पर चर्चा करते रहे। लेकिन 'कॉमन मैन' की चिंता कुछ ज्यादा सीधी थी। क्या सरकार काम करने का तरीका बदलेगी? क्या युवाओं को नौकरी मिलेगी? क्या राजनीतिक हिंसा कम होगी? क्या आम आदमी के लिए प्रशासन तक पहुंच आसान होगी? एक बुजुर्ग ने कहा - 'सरकार कोई भी हो, हमें आखिर में सड़क, बिजली, राशन और सुरक्षा चाहिए।' पास बैठे एक युवा ने बात आगे बढ़ाई- 'उम्र सीमा बढ़ाने से मौका जरूर बढ़ा है, लेकिन भर्ती समय पर और निष्पक्ष हो, तभी भरोसा लौटेगा।' इन दो वाक्यों में नई सरकार के सामने खड़ी सबसे बड़ी चुनौती छिपी है। घोषणाओं को लोगों के अनुभव में बदलना।

शुभेंदु अधिकारी सरकार के शुरुआती फैसलों ने उसकी प्राथमिकताओं के संकेत जरूर दिए हैं। सीमा सुरक्षा से लेकर केंद्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन, कानून-व्यवस्था और सरकारी नौकरियों की आयु सीमा जैसे मुद्दों पर सरकार ने बदलाव की दिशा दिखाने की कोशिश की है। लेकिन सीमा से लौटकर कोलकाता में हुई बातचीत ने यह भी स्पष्ट किया कि सुरक्षा का सवाल केवल सीमा चौकियों तक सीमित नहीं है। सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए सीमा पर बाड़ का अर्थ खेतों तक पहुंच, जमीन के इस्तेमाल और रोजमर्रा की आजीविका से भी जुड़ा है। एक स्थानीय दुकानदार ने कहा- 'सुरक्षा जरूरी है, लेकिन हमारी जमीन और रास्ते भी सुरक्षित रहने चाहिए।' यही वह संतुलन है जिसे सरकार को साधना होगा। सीमा सुरक्षा के लिए जमीन उपलब्ध कराना जरूरी हो सकता है, लेकिन उसके साथ स्थानीय लोगों की आपत्तियों, मुआवजे और पुनर्वास की प्रक्रिया भी पारदर्शी होनी चाहिए। सुरक्षा व्यवस्था अगर स्थानीय समाज को साथ लेकर आगे बढ़ती है, तभी उसका असर टिकाऊ होगा।

जारी...

सरकार की रोजगार नीति की असली कसौटी...

रोजगार के सवाल पर युवाओं की बेचैनी और भी साफ दिखाई देती है। आयु सीमा में पांच वर्ष की वृद्धि उन अभ्यर्थियों के लिए राहत हो सकती है जो भर्ती प्रक्रियाओं में देरी के कारण अवसर से बाहर हो गए थे। लेकिन बंगाल में सरकारी भर्ती को लेकर पैदा हुआ अविश्वास केवल आयु सीमा बढ़ाने से खत्म नहीं होगा। भर्ती कैलेंडर कब आएगा? परीक्षा समय पर होगी या नहीं? परिणाम कब आएगा? और सबसे महत्वपूर्ण नियुक्ति कब होगी? डिनर टेबल पर बैठे एक युवक ने इस पूरे सवाल को सिर्फ एक वाक्य में समेट दिया- 'हमें घोषणा नहीं, तारीख चाहिए , फॉर्म कब निकलेगा, परीक्षा कब होगी और नियुक्ति कब मिलेगी।' यही सवाल नई सरकार की रोजगार नीति की असली कसौटी है। और शायद यही बदलते बंगाल की पूरी कहानी का सबसे महत्वपूर्ण सवाल भी है ... क्या सत्ता बदलने के साथ व्यवस्था भी बदलेगी?

बदलते हालात...भारतीय सेना ने जारी किया 2025-26 का सालाना रिपोर्ट कार्ड

एलएसी पर ड्रैगन ने घटाई फौज कश्मीर में पत्थरबाजी हुई खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय सेना ने 2025-26 की अपनी सालाना रिपोर्ट में बताया है कि 2025 में चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने लाइन ऑफ़ एक्चुअल कंट्रोल (LAC) पर सैनिकों की संख्या घटाई है। LAC और चीन के मिलिट्री ट्रेनिंग सेंटर में अब करीब 10 कंबाइंड आर्म्स ब्रिगेड के आकार की सैन्य टुकड़ियां तैनात हैं। रिपोर्ट के मुताबिक सभी सेक्टरों में भारतीय सेना की तैनाती मजबूत है और वह किसी भी चुनौती से निपटने के लिए तैयार है। रिपोर्ट में जम्मू-कश्मीर के सुरक्षा हालात में भी सुधार की बात कही गई है।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, जम्मू-कश्मीर में हिंसा की घटनाओं में कमी आई है। इसके साथ ही विरोध प्रदर्शनों का स्तर भी घटा है। रिपोर्ट में खास तौर पर कहा गया है कि पत्थरबाजी की घटनाएं अब शून्य हो गई हैं। यह क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति में आए सुधार का एक महत्वपूर्ण संकेत माना गया है। रिपोर्ट के अनुसार ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जम्मू-कश्मीर के भीतर और नियंत्रण रेखा के आसपास की स्थिति में महत्वपूर्ण बदलाव आया। इस दौरान सुरक्षा परिदृश्य और सीमा की स्थिति में उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिला, जिसका असर क्षेत्र की समग्र सुरक्षा।

किसी भी चुनौती से निपटने के लिए तैयार भारतीय सेना

भारत-चीन सैन्य बातचीत

रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 में भारत और चीन के बीच सैन्य बातचीत फिर शुरू हुई। अक्टूबर 2025 में पूर्वी लद्दाख में 23वीं कोर कमांडर स्तर की बैठक हुई। दोनों देशों के सैनिकों के बीच सीमा पर बॉर्डर पर्सनल मीटिंग भी जारी रही। सेना ने बताया कि इन बैठकों में दोनों पक्षों का माहौल सौहार्दपूर्ण रहा। बातचीत के जरिए सीमा से जुड़े मुद्दों को सुलझाने की कोशिश की गई। रिपोर्ट के अनुसार सैन्य और कूटनीतिक बातचीत के साथ चीन की तैनाती में कमी से उत्तरी सीमा पर स्थिरता बढ़ी।

ऑपरेशन सिंदूर से मिली सीख

रिपोर्ट में ऑपरेशन सिंदूर से मिली सीख का भी जिक्र है। सेना के मुताबिक, इस ऑपरेशन ने भारत की कई क्षेत्रों में एक साथ कार्रवाई करने की क्षमता, मजबूत खुफिया व्यवस्था, आधुनिक तकनीक और तीनों सेनाओं के बीच तालमेल को दिखाया। ऑपरेशन सिंदूर के बाद सेना ने अपनी सैन्य क्षमताओं में मौजूद कमियों की समीक्षा की। इसमें सेना के पुनर्गठन, तीनों सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल और नई तकनीक को शामिल करने पर ध्यान दिया गया।

जम्मू-कश्मीर में हिंसा कम

रिपोर्ट के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा स्थिति सेना के लगातार प्रयासों से नियंत्रण में रही। हिंसा का स्तर और विरोध-प्रदर्शन कम हुए। सेना ने बताया कि 2025 में सिर्फ एक स्थानीय युवक आतंकी संगठनों में शामिल हुआ। सेना के अनुसार, इससे पाकिस्तान के उस दावे को झटका लगा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद स्थानीय स्तर पर पैदा हो रहा है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि जम्मू-कश्मीर के लोग सरकार और सेना की विकास योजनाओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि LoC पर घुसपैठ की कोशिशें पिछले वर्षों के मुकाबले कम हुईं। हालांकि, आतंकियों ने अब जम्मू-कश्मीर में अंतरराष्ट्रीय सीमा का इस्तेमाल बढ़ाने की कोशिश की। इसमें नशीले पदार्थ और युद्ध में इस्तेमाल होने वाली सामग्री की तस्करी भी शामिल है।

एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने जीता यूएस ओपन का खिताब

न्यूयॉर्क। एलेक्जेंडर ज्वेरेव के लिए टेनिस करियर का शानदार दौर जारी है। जर्मनी के ज्वेरेव ने रविवार को यूएस ओपन के फाइनल में अमेरिका के बेन शेल्टन को 6-3, 7-6 (2), 5-7, 6-2 से हराकर अपने करियर का दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब अपने नाम किया। न्यूयॉर्क में घरेलू दर्शकों की उम्मीदें 23 साल के शेल्टन पर टिकी थीं। अमेरिका को उम्मीद थी कि एंडी रॉडिक के 2003 में US ओपन जीतने के बाद पहली बार कोई अमेरिकी पुरुष खिलाड़ी ग्रैंड स्लैम खिताब जीतेगा। हालांकि, ज्वेरेव ने शानदार खेल दिखाते हुए शेल्टन और उनके फैंस की उम्मीदों को तोड़ दिया।

पीजी बिल्डिंग गिरने के आरोपी सुधांशु-शुभम को 12 दिन की न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली। दिल्ली में सत्य निकेतन इलाके में 6 सितंबर को पांच मंजिला पीजी बिल्डिंग गिरने के मामले में पटियाला हाउस कोर्ट ने आरोपी सुधांशु और शुभम त्यागी को 12 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, दोनों आरोपी हादसे में गिरी इमारत में पीजी चला रहे थे। अब दोनों से पूछताछ होगी। वहीं, सत्य निकेतन हादसे के बाद दिल्ली में 2250 पीजी का सर्वे किया गया, जिसमें 138 इमारतों में मरम्मत की जरूरत पाई गई। इनमें से सर्वाधिक 90 पीजी दक्षिणी जोन में हैं, जहां 47,000 लोग रहते हैं, और 4 इमारतों को खतरनाक घोषित किया गया है।

आज का कार्टून

पश्चिमी हिस्से में मजबूत सिस्टम एक्टिव, राजधानी में रिमझिम फुहारों का दौर

प्रदेश के 7 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के पश्चिमी हिस्से इंदौर, उज्जैन और ग्वालियर संभाग में एक साथ 3 मानसूनी सिस्टम एक्टिव हैं। इसके चलते तेज बारिश का दौर जारी रहा। बड़वानी में नदी-नाले उफान पर रहे, जबकि इंदौर, मुरैना, रतलाम समेत कई जिलों में बारिश हुई। मौसम केंद्र के मुताबिक, एमपी में 3 सिस्टम, लो प्रेशर एरिया (निम्न दाब क्षेत्र) समेत ट्रफ सक्रिय हैं। इसके चलते अब तक सूखे रहे इंदौर-उज्जैन संभाग में भी भारी बारिश हुई।

चंबल नदी में नहाते समय पिता-पुत्र डूबे: बड़वानी के सेंधवा में नदी-नाले और तालाब उफान पर रहे। रलावती में जिले का सबसे बड़ा तालाब ओवरफ्लो हो गया। मुरैना में चंबल नदी में नहाते समय पिता-पुत्र डूब गए। दोनों बाबू महाराज मंदिर में दर्शन के लिए आए थे।

भागलपुर। बाढ़ प्रभावित घाटों पर श्रद्धालुओं पर कड़ी निगरानी रखता SDRF का जवान।

केदारनाथ रूट पर बारिश-लैंडस्लाइड, एक की मौत, यात्रा रुकी

देश के कई राज्यों में बारिश अब आफत बनती जा रही है। उत्तराखंड में जगह-जगह लैंडस्लाइड हो रही है। केदारनाथ के चीरबासा हेलिपैड के पास रविवार को पहाड़ से चट्टानें गिरने से 65 साल के व्यक्ति की मौत हो गई। केदारनाथ पैदल मार्ग पर भी लैंडस्लाइड हुई, जिसके बाद यात्रा रोक दी गई है। भीमबली से केदारनाथ के बीच करीब 1,000 यात्री फंसे हैं। इनमें कई लोगों की तबीयत बिगड़ गई। बिहार में 14 जिलों के 2,360 गांव बाढ़ की चपेट में हैं और 48 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। राज्य की 8 नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं।

आउटर और स्टेशनों पर रोकी गईं ट्रेनें

ओएचई लाइन टूटी, दो घंटे थमा इटारसी-जबलपुर रेल यातायात

नर्मदापुरम। पिपरिया रेलवे स्टेशन पर सोमवार सुबह ओएचई लाइन टूटने से इटारसी-जबलपुर रेल मार्ग पर करीब दो घंटे तक यातायात प्रभावित रहा। घटना सुबह उस समय हुई जब करीब 9 बजे डाउन लूप पर मालगाड़ी खड़ी थी। ओएचई लाइन टूटने के बाद इटारसी और जबलपुर की ओर से आने-जाने वाली ट्रेनों को अलग-अलग स्टेशनों और आउटर पर रोकना पड़ा।

जानकारी के अनुसार डाउन लूप लाइन पर मालगाड़ी खड़ी थी। इसी दौरान ओएचई लाइन पर बंदर के झूलने से लाइन टूट गई। लाइन टूटते ही रेलवे के विद्युत और परिचालन अमले में हड़कंप मच गया। ट्रेनों का संचालन प्रभावित होने के कारण

कई यात्री ट्रेनों को रास्ते में रोकना पड़ा। रेलवे अमले ने मौके पर पहुंचकर ओएचई लाइन के सुधार का काम शुरू किया। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद सुबह 11 बजे ट्रेनों का आवागमन शुरू हुआ। इस दौरान आधा दर्जन से अधिक ट्रेनें प्रभावित होने की जानकारी सामने आई है।

न्यूज ब्रीफ

103 डॉलर के करीब पहुंची कच्चे तेल की कीमतें

नई दिल्ली, एजेंसी। कच्चे तेल की कीमतों में तेजी का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। आज अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की कीमतें 103 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गईं। मिडिल ईस्ट में सप्लाई से जुड़े जोखिम बढ़ने की वजह से पिछले हफ्ते कच्चे तेल के भाव में 9% से ज्यादा की बढ़त दर्ज की गई थी। जिसके बाद अब कच्चे तेल का मौजूदा भाव 103 प्रति बैरल के करीब पहुंच गया है, जो 4 महीने का उच्चतम स्तर है। केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया ने बताया कि सऊदी अरब ने ड्रोन हमलों के बाद अपनी मुख्य ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन का कामकाज रोक दिया है, जिससे स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के आसपास एक अहम वैकल्पिक रास्ते में रुकावट आ गई है।

दिशा सालियान केसः सीबीआई ने दर्ज की एफआईआर

मुंबई, एजेंसी। पूर्व सेलिब्रिटी मैनेजर दिशा सालियान मौत मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो ने एफआईआर दर्ज कर ली है। यह कदम बॉम्बे हाईकोर्ट के 2 सितंबर के आदेश के बाद उठाया गया है। अदालत ने मामले में सीबीआई को एफआईआर दर्ज कर जांच करने का निर्देश दिया था। बॉम्बे हाईकोर्ट ने 2 सितंबर को दिशा सालियान की मौत से जुड़े मामले में सीबीआई जांच का आदेश दिया था। अदालत के निर्देश के मुताबिक, सीबीआई को इस मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच आगे बढ़ानी है। अब केंद्रीय एजेंसी ने मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है।

मेट्रो एंकर

घटना के समय 14 साल की थी लड़की, 17 साल तक चलता रहा मुकदमा

रेप पीड़िता की छाती पर आरोपी का टैटू... हाईकोर्ट ने घटाई सजा

नई दिल्ली, एजेंसी

17 साल पुराने दुष्कर्म और अपहरण के एक मामले में दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले ने कई सवाल खड़े किए हैं। अदालत ने आरोपी की दोषसिद्धि खत्म नहीं की, लेकिन परिस्थितियों को देखते हुए उसकी बची हुई सजा को उतनी अवधि में बदल दिया, जितनी वह पहले ही जेल में काट चुका है। इस फैसले में पीड़िता के शरीर पर आरोपी के नाम का टैटू, दोनों की पुरानी नजदीकी, मनाली की यात्रा और मामले की लंबी कानूनी प्रक्रिया जैसे तथ्य महत्वपूर्ण रहे।

मामला जून 2009 का है। तब लड़की की उम्र करीब 14 साल और आरोपी युवक की उम्र 18 साल थी। 15 जून 2009 को लड़की घर से लापता हुई। दो दिन बाद 17 जून को उसके परिजनों की ओर से एफआईआर दर्ज कराई गई। इसी दौरान लड़की आरोपी के साथ दिल्ली के कनॉट प्लेस और फिर हिमाचल प्रदेश के मनाली गई। 17 जून को दोनों वापस दिल्ली लौटे। अदालत के रिकॉर्ड के अनुसार, लड़की की मेडिकल जांच 17 जून को हुई थी। उस समय उसका बयान आरोपी के इस दावे के अनुरूप था कि वह उसके साथ अपनी इच्छा से गई थी। पुलिस ने भी उसी दिन लड़की का बयान उसकी मां की मौजूदगी में दर्ज किया था, जिसमें आरोपी के खिलाफ आरोप नहीं था। बाद में 26 जून 2009 को मजिस्ट्रेट के सामने दर्ज बयान में लड़की ने अलग रुख अपनाया और उसके बाद अदालत में भी आरोपी के खिलाफ बयान दिया। मामले की सुनवाई के दौरान एक तथ्य अदालत के सामने खास तौर पर आया। लड़की ने अपनी छाती पर आरोपी का नाम टैटू बनवाया था, जबकि आरोपी ने भी अपने हाथ पर लड़की का नाम गुदवाया था। हाई कोर्ट ने कहा कि लड़की इस टैटू और आरोपी के साथ यात्रा करने जैसे पहलुओं का संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं दे सकी। अदालत ने यह भी रिकॉर्ड किया कि उसने यात्रा के दौरान कोई शोर या विरोध नहीं किया। आरोपी को 2011 में आईपीसी की धारा 363, 366 और 376 के तहत दोषी ठहराया गया था। बाद में उसने अपनी अपील में दोषसिद्धि को चुनौती देने के बजाय केवल सजा कम करने की मांग की। आरोपी की ओर से बताया गया कि वह करीब दो साल चार महीने जेल में रह चुका है । 17 साल से मुकदमा चल रहा है। अब आरोपी और महिला दोनों अलग-अलग लोगों से विवाह कर चुके हैं और अपने पारिवारिक जीवन में हैं। महिला ने भी अब मामले को आगे नहीं लड़ने की इच्छा जताई थी।

सार्थक उद्देश्य पूरा नहीं होगा...

जस्टिस विमल कुमार यादव ने कहा कि 17 साल बाद आरोपी को दोबारा जेल भेजने से कोई सार्थक उद्देश्य पूरा नहीं होगा। अदालत ने उसकी अब तक की हिरासत को पर्याप्त सजा माना और बची हुई सजा को उसी अवधि में बदल दिया। हालांकि, जुर्माने से संबंधित आदेश में कोई बदलाव नहीं किया गया। फैसले में अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि लड़की नाबालिग थी और इसी कारण उस समय का संबंध कानूनन मान्य नहीं हो सकता था। यानी अदालत ने नाबालिग होने के कानूनी पहलू को खारिज नहीं किया, बल्कि 17 साल बीत जाने, दोनों के वर्तमान पारिवारिक जीवन, आरोपी के साफ रिकॉर्ड और मामले की विशिष्ट परिस्थितियों को सजा तय करते समय महत्व दिया।

घर-घर विराजे विघ्नहर्ता...

भोपाल। राजधानी में आज गणेशोत्सव और हरतालिका तीज एक साथ मनाई जा रही है। दोनों पर्वों को लेकर शहर में गजब का उत्साह है। मंदिरों, घरों और सार्वजनिक स्थानों पर बप्पा आ चुके हैं। वहीं, महिलाएं हरतालिका तीज पर निर्जला व्रत रखकर भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना कर रही हैं। महिलाएं पति की दीर्घायु, परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना करेंगी। मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना और आरती की तैयारियां की गई हैं। दोनों पर्व एक साथ होने के कारण रविवार से ही बाजार गुलजार रहा। आज भी हल्की बूंदों के बीच लोग पूजन व सजावटी सामान की खरीदारी करने लोग बाजारों में निकले। इस बार गणेशोत्सव में पर्यावरण अनुकूल गणेश प्रतिमाओं को लेकर जागरूकता दिखाई दे रही है। कई स्थानों पर मिट्टी से बनी प्रतिमाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। आयोजन समितियां श्रद्धालुओं से पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए उत्सव मनाने की अपील कर रही हैं।

अष्टविनायक के ये 8 रूप जीवन जीने की सिखाते हैं कला

मुद्गल पुराण में भगवान गणेश के 8 प्रमुख रूपों को अष्टविनायक कहते हैं। हर रूप की खास सीख है।

वक्रतुंड: मत्सरासुर राक्षस को गणेश जी ने बुद्धि से हराया। तब वक्रतुंड रूप धारण किया। जिसका अर्थ है टेढ़ी सूंड।

सीख: मुश्किलों का सामना गुस्से से नहीं, बुद्धि से करें।

एकदंत: मदासुर से परेशान देवताओं ने गणेश जी से मदद मांगी। गणेश जी ने एकदंत रूप में बुद्धि-शक्ति से उसे हराया।

सीख: लक्ष्य पाने के लिए एकाग्र होकर मेहनत करनी चाहिए।

महोदर: यह रूप धैर्य, शांति और चिंता मुक्त का प्रतीक है।

सीख: धैर्य, शांति से बड़ी समस्या भी सुलझा सकते हैं।

गजानन: यह स्वरूप लालच से रहने की सीख देता है।

सीख: बुद्धिमान बनें, लालच से बचें।

लंबोदर: क्रोधासुर राक्षस का लंबोदर रूप में सामाना किया।

सीख: यह स्वरूप गुस्से पर नियंत्रण रखने की सीख देता है।

विकट: इस रूप पुरानी सोच से निकलकर नवाचार करना।

सीख: हर समस्या का हल अलग तरीके से सोचने से संभव है।

विघ्नराज: ममासुर राक्षस का घमंड दूर करने गणपति ने विघ्नराज रूप धारण किया और लोगों की बाधाएं दूर कीं।

सीख: दूसरों के रास्ते में रुकावट न डालें, उनकी मदद करें।

धूम्रवर्ण: इस रूप धुएं के रंग वाला है। यानी, पूरी तरह शांत।

सीख: घमंड से दूर रहें। शांत रहें।

न्यूज विंडो

जुए के फड़ पर पुलिस का धावा... ड्रोन से निगरानी, 5 पकड़े, 17 फरार

भोपाल। बजरिया की हाजी मुस्तफा की चाल में रविवार देर रात जुए के फड़ पर कार्रवाई के लिए पुलिस ने ऐसी रणनीति बनाई कि जुआरियों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। क्राइम ब्रांच ने पहले ड्रोन उड़ाकर निगरानी की। 30 पुलिसकर्मियों ने मकान को चारों तरफ से घेर लिया। मेन गेट की बजाय पुलिस ने सीढ़ी लगाकर बालकनी के रास्ते दूसरी मंजिल पर पहुंची। यहां तीन शेड के नीचे जुआ चल रहा था। पुलिस ने रूसी की मां फरीन, पिता शफीक खान, पत्नी महक, इलियास और नफीस को पकड़ा। हालांकि रूसी खान, रेलवे में पदस्थ फारूख दाद उर्फ फारूख टीसी सहित कुल 17 फरार हो गए। पुलिस ने 2.61 लाख रुपए नकद, चार लग्जरी कार, दो स्कूटी और एक बाइक जब्त की।

शादी का झांसा देकर पांच साल तक की ज्यादती, केस दर्ज

भोपाल। मंगलवारा थाना क्षेत्र में शादी का झांसा देकर युवती का पांच साल से अधिक समय तक शारीरिक शोषण करने का मामला सामने आया है। हाल ही में आरोपी ने दूसरी युवती से शादी कर ली। शिकायत के बाद पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है। थाना प्रभारी अजय कुमार सोनी के अनुसार कोलार क्षेत्र में रहने वाली 30 वर्षीय युवती की शिकायत पर पटेल नगर के राहुल भावसार पर केस दर्ज किया।

दुबई से आई महिला, पांच फीट जमीन के लिए पांच महीने लड़ी

भोपाल। दुबई से आई महिला को आखिरकार 5 माह अपनी पांच फीट जमीन मिल गई। बैरागढ़ तहसीलदार से लेकर पुलिस थाने तक करीब पांच महीने तक शिकायत और जांच की प्रक्रिया चलती रही। संत हिरदाराम नगर निवासी रेखा गुरुबानी (46) दुबई में एक निजी कंपनी में नौकरी करती हैं। पड़ोसी राजेश विश्वकर्मा ने उनके भूखंड की पांच फीट जमीन पर कब्जा कर लिया है। पुलिस राजेश पर केस दर्ज किया।

छोला मंदिर: गाली देने से मना करने पर तलवार से किया हमला

भोपाल। छोला मंदिर इलाके में शराब पीकर घर लौट रहे मुन्नाला अहिरवार पर एक बदमाश ने तलवार से हमला कर दिया। इससे उनके हाथ में चोट आई है। टीआई ने बताया कि अहिरवार ने गाली देने से रोका तो आकाश मालवीय ने तलवार से हमला किया। उस पर केस दर्ज किया है।

शिक्षा विभाग की अनदेखी से स्कूलों के भवन बदहाल, संकट में बच्चों की सुरक्षा

बदहाल सरकारी स्कूल.. बजट बढ़ा पर सुधरने के बजाय चरमरा गई व्यवस्था

भोपाल। दोपहर मेट्रो

एक ओर जहां शिक्षा विभाग व्यवस्था में सुधार और बजट में बढ़ोतरी के बड़े-बड़े दावे कर रहा है। वहीं राजधानी भोपाल में ही सरकारी स्कूलों की स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। हाल ही में जारी यू-डीआईएसई+ के आंकड़ों के अनुसार, देश भर में बंद और मर्ज हुए कुल स्कूलों में से 50% से अधिक अकेले मध्य प्रदेश के हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रदेश का स्कूली शिक्षा बजट बढ़ाकर लगभग 36,730 करोड़ कर दिया गया, जो 2022-23 की तुलना में लगभग दोगुना है। लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि यह भारी-भरकम राशि स्कूलों के बुनियादी ढांचे को सुधारने में नाकाम रही है।

स्कूलों की हालत ऐसी है कि न तो यहां पीने का स्वच्छ पानी ही नसीब हो हो रहा है और न ही स्कूल के भवन की मरम्मत ही की जा रही है। इतना ही नहीं, स्कूल की चाहरदिवारी न होने से परिसर में ही असामाजिक तत्वों का जमावड़ा भी लग रहा है। इससे बच्चों और शिक्षकों की सुरक्षा सवालों के घेरे में है। हद यह है कि बारिश के मौसम में बच्चों को टपकती हुई छत के नीचे ही पढ़ने को विवश होना पड़ रहा है। शिक्षक भी जैसे-जैसे उन्हें पढ़ा रहे हैं।

यह 610 क्वॉटर पर स्थित सरकारी स्कूल है, जिनकी दीवारें जर्जर हो चुकी हैं।

यह बांसखेड़ी का सरकारी स्कूल है। छत से प्लास्टर गिर रहे हैं। कई जगह दरारें भी आ चुकी हैं।

भारी-भरकम बजट के बाद राजधानी के स्कूलों के ऐसे हाल

शासकीय प्राथमिक शाला, 610 क्वार्टर

स्कूल की दीवारें काई से ढकी हैं। छत में बड़ी-बड़ी दरारें हैं। बच्चे नीचे चटाई पर बैठकर पढ़ने को मजबूर हैं। ऐसे में बच्चों में संक्रमण का खतरा भी बढ़ रहा है।

शासकीय प्राथमिक शाला, बांसखेड़ी

ब्लैकबोर्ड के ठीक ऊपर छत का प्लास्टर गिर चुका है। पूरी इमारत जर्जर और असुरक्षित घोषित होने की कगार पर है। 36,730 करोड़ के भारी-भरकम शिक्षा बजट के बावजूद, इन स्कूलों के बच्चे गिरती छतों, काई लगी दीवारों और बदहाल शौचालयों के बीच पढ़ाई करने को मजबूर हैं। जानकारों का कहना है कि ऐसी हालत में पढ़ाई ही मुश्किल नहीं है, बल्कि यह बच्चों की सेहत के लिए अलॉर्मिंग है। प्लास्टर के गिरने से जहां वे घायल हो सकते हैं, वहीं कई तरह के संक्रमण के शिकार भी हो सकते हैं।

जर्जर भवन और गिरती छतें

610 क्वार्टर्स स्थित शासकीय प्राथमिक स्कूल के एक कमरे की छत पहले ही ढह चुकी है। मलबे के ठीक ऊपर दीवार पर लाल रंग से 'सत्यमेव जयते' लिखा है, जबकि उसी जोखिम भरे माहौल में बच्चे पढ़ने को विवश हैं।

असुरक्षित परिसर

इमारतों पर हरी काई (शैवाल) जमी हुई है, खिड़कियां टूटी हैं। सुरक्षा के लिए बाउंड्रीवॉल तक नहीं बची है।

मूलभूत सुविधाओं का अभाव

तीनों स्कूलों में न तो साफ-सुथरे शौचालय हैं और न ही पीने का स्वच्छ पानी ही है।

प्रशासनिक उपेक्षा का शिकार

एक तरफ जहां बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं। वहीं राज्य की राजधानी के बच्चे एक सुरक्षित छत और बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। यह स्थिति केवल लापरवाही नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था की एक बड़ी विफलता की ओर इशारा करती है। स्कूल प्रबंधन का कहना है कि कई बार विभागीय स्तर पर इस पर बात हो चुकी है। हर बार सुधार का भरोसा दिया गया। लेकिन जमीन पर सुधारात्मक कार्रवाई नजर नहीं आई। अब फिर से जिला शिक्षा अधिकारी को इस बारे में बताया जाएगा।

दफ्तरों में ही नहीं अपनाई पूरी हिन्दी

हिन्दी विवि में हिंदी बेहाल, 4000 सीटों पर 450 छात्र, एमए में तो 1 ही!

भोपाल। दोपहर मेट्रो

आज हिन्दी दिवस है। आज हिन्दी के सम्मान, संवर्धन और संरक्षण की चर्चाएं शुरू हो जाएंगी। लेकिन राजधानी में स्थापित अटल बिहारी हिन्दी विश्वविद्यालय में ही हिन्दी बेहाल नजर आ रही है। प्रवेश आंकड़े ही बता रहे हैं कि हिन्दी को लेकर समाज में कितनी जागरूकता है। यहां एमए भूगोल में एक, एमए अर्थशास्त्र में एक और एमए इतिहास में तीन विद्यार्थी ही हैं। वर्ष 2011 में 68 विद्यार्थियों से शुरू हुए विश्वविद्यालय में सीटों की क्षमता तो 4,000 तक पहुंच गई। लेकिन कक्षाएं खाली हैं। 2023 में 13 सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति हुई, जिन पर सालाना लगभग 1.56 करोड़ रुपए का वेतन भार है, लेकिन पढ़ाने के लिए विद्यार्थी नहीं हैं। इस साल विवि में 203 प्रवेश हुए हैं वहीं इस समय कुल विद्यार्थियों की संख्या करीब 450 ही है।

जिस विवि के नाम में ही हिन्दी है, वहां हिन्दी में एक छात्र होना बताता है कि हिन्दी को नई पीढ़ी से जोड़ा नहीं गया। बता दें, प्रदेश के विभागों में तो हिन्दी का प्रयोग होने लगा है। प्रदेश के विभागों में तो हिन्दी का उपयोग हो रहा है लेकिन सेंट्रल के विभागों आज भी अंग्रेजी का ही उपयोग हो रहा है।

चार कुलपति बदले, हालात वही

स्थापना से अब तक चार कुलपति बदल चुके हैं, लेकिन स्पष्ट रोडमैप नहीं बना। कौन से कोर्स चलाने हैं, कौन से बंद करने हैं, इस पर दीर्घकालिक नीति का अभाव है। 13 नियमित शिक्षकों पर 13 लाख प्रतिमाह का खर्च हो रहा है, लेकिन कई कोर्स में छात्र नगण्य हैं।

इन कोर्स में ऐसे हालात

वर्ष 2026-27 में विश्वविद्यालय में योग की मास्टर क्लास में 12 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया, वहीं एसएमसी केमिस्ट्री में 8, एमएससी कम्प्यूटर में 15, कॉमर्स में 9, भूगोल और अर्थिशास्त्र में 1-1, इतिहास में 3, हिन्दी में 1 विद्यार्थी ने प्रवेश लिया। मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में 1 और एमएएफ में 6 ने प्रवेश लिया।

मेट्रो में फिर बढ़ेगा इंतजार, प्रबंधन ने जारी किया नया टाइम टेबल

दोपहर में 15 नहीं, 30 मिनट में ट्रेन, रविवार को 8.30 बजे तक

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोपाल मेट्रो में सफर करने वाले यात्रियों को दोपहर में अब ज्यादा इंतजार करना पड़ेगा। मेट्रो प्रबंधन ने शहरवासियों के लिए इसके समय में बदलाव कर दिया है। कल से नया टाइम टेबल लागू होने जा रहा है। इसके अनुसार नए टाइम टेबल में सोमवार से शनिवार के बीच सुबह 11:30 से शाम 5 बजे तक मेट्रो हर 30 मिनट में मिलेगी।

अभी इस समय हर 15 मिनट में ट्रेन मिल रही है। यानी अब इंतजार सीधे दोगुना हो जाएगा। इतना ही नहीं, शाम 5 बजे के बाद यात्रियों को राहत रहेगी। इस समय मेट्रो पहले की तरह हर 15 मिनट में चलेगी और शाम 7:30 बजे तक सेवा जारी रहेगी।

पुरानी और नई समय-सारणी

समय	अभी	15 सितंबर से
सोमवार-शनिवार, 11:30 से शाम 5 बजे।	हर 15 मिनट	हर 30 मिनट
सोमवार-शनिवार, शाम 5 से 7:30 बजे।	हर 15 मिनट	हर 15 मिनट
सुभाष नगर से पहली ट्रेन	11:30 बजे	11:30 बजे
एम्स से पहली ट्रेन	दोपहर 12 बजे	दोपहर 12 बजे
सुभाष नगर से आखिरी ट्रेन	शाम 7 बजे	शाम 7 बजे
एम्स से आखिरी ट्रेन	शाम 7:30 बजे	शाम 7:30 बजे
रविवार, 11:30 से दोपहर 1 बजे।	हर 15 मिनट	हर 30 मिनट
रविवार, दोपहर 1 से रात 8:30 बजे।	हर 15 मिनट	हर 15 मिनट

पहली व आखिरी ट्रेन में बदलाव नहीं: सुबह सुभाष नगर से पहली ट्रेन 11:30 बजे और एम्स से पहली ट्रेन दोपहर 12 बजे रवाना होगी। सुभाष नगर से आखिरी ट्रेन शाम 7 व एम्स से आखिरी ट्रेन शाम 7:30 बजे चलेगी।

बैतूल की युवती की शिकायत पर मामला दर्ज

सरकारी नौकरी का झांसा देकर ठगी, फर्जी IAS पर तीसरी FIR

भोपाल। दोपहर मेट्रो

खुद को आईएएस अधिकारी बता कर सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाली तृप्ति सिंह के खिलाफ एक और धोखाधड़ी का केस सामने आया है। बागसेवनिया पुलिस ने बैतूल की ख्याती धौलपुरे की शिकायत पर उसके खिलाफ तीसरी एफआईआर दर्ज की है। आरोप है कि मानव संसाधन विभाग में बी-क्लास की नौकरी लगवाने का भरोसा देकर तीन लाख रुपए तृप्ति ने लिए थे। रकम लेने के बाद एक साल तक बहाने बनाकर टालती रही। खबरों का विवरणः

जांच में यह भी...

जांच में यह भी सामने आया है कि तृप्ति सोशल मीडिया के जरिए लोगों से संपर्क करती थी। इंस्टाग्राम पर सरकारी अधिकारी जैसी छवि पेश कर लोगों का भरोसा जीतती थी। ख्याती की एक कार्यक्रम में तृप्ति से मुलाकात हुई थी। बाद में बातचीत बढ़ी और तृप्ति ने खुद को आईएएस अफसर बता सरकारी नौकरी लगवाने की बात कही। उससे तीन लाख रुपए भी लिए। बाद में पता चला तो तृप्ति नहीं रुपए नहीं लौटाए।

फायर सेफ्टी और परमिट शर्तों का उल्लंघन

नादरा व 11 मील में 28 बसों की जांच, 4 जब्त, दो बसों की फिटनेस निरस्त

भोपाल। परिवहन आयुक्त के निर्देश पर रविवार को क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय की टीम ने नादरा बस स्टैंड और 11 मील क्षेत्र में यात्री बसों के खिलाफ छह घंटे का चेकिंग अभियान चलाया। सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक की कार्रवाई में यात्री सुरक्षा व फायर सेफ्टी को ध्यान में रखते हुए 28 बसों की जांच की गई।

नियमों उल्लंघन पर चार बसों को जब्त किया। इनमें एमपी04 पीए3217, एमपी04 पीए 2699, एमपी 39 पी5111 और एमपी 70डडी 9201 शामिल हैं। इसके अलावा दो बसों की फिटनेस निरस्त की गई। चार अन्य बसों में परमिट शर्तों के उल्लंघन और मोटरयान अधिनियम की अन्य धाराएं सामने आने पर जुर्माना लगाया गया। कार्रवाई में कुल 58 हजार रुपए का जुर्माना वसूल किया गया। बसों के इमरजेंसी गेट खुलवाकर देखे गए। आरटीओ की टीम ने बसों में फायर सेफ्टी इंतजाम, जरूरी दस्तावेज, फिटनेस और परमिट शर्तों का पालन जांचा। ऑपरेटरों को मानकों का पालन करने के निर्देश भी दिए।

मेट्रो एंकर | **निगम की कचरा गाड़ी दे रही त्योहारी दर्शन, सड़क भी गड्ढों में समा गई**

जगह-जगह कचरे के ढेर और गड्ढों से गांधीनगर के रहवासी परेशान, समाधान की लगा रहे गुहार..अफसर हैं कि सुनते ही नहीं

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी के गांधीनगर वार्ड नंबर 1 के निवासियों और व्यापारियों में खराब सफाई व्यवस्था और जर्जर सड़कों को लेकर आक्रोश बढ़ता जा रहा है। खासतौर पर बस स्टैंड के आसपास का इलाका परेशानी का मुख्य केंद्र बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है, अनियमित कचरा उठान के कारण बस स्टैंड के पास लंबे समय से कचरा जमा हो रहा है। स्थानीय निवासी बनवारी पटेल ने बताया कि निगम की कचरा गाड़ी हफ्ते में सिर्फ एक बार आती है, जबकि कचरा रोज पैदा होता है।

दुर्गंध, जलजमाव और आवारा मवेशियों का जमावड़ा

दुर्गंध और असुविधा: जमा हुए कचरे से बदबू फैलती है, जिससे राहगीरों, व्यापारियों और आसपास के लोगों का निकलना मुश्किल हो गया है। बारिश में जमा पानी और कचरा के आपस में मिल जाने से बीमारियां फैलने का खतरा बढ़ जाता है। कचरे के ढेर पर आवारा मवेशियों के लगे जमावड़े से परेशानी और भी ज्यादा बढ़ गई है।

क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत भी नहीं

रहवासियों का कहना है कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद कचरा प्रबंधन, सड़क मरम्मत और जल निकासी जैसी बुनियादी समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है। व्यापारियों और स्थानीय लोगों ने नगर निगम से नियमित कचरा उठाने, क्षेत्र की लगातार निगरानी करने और क्षतिग्रस्त सड़कों की जल्द मरम्मत कराने की मांग की है। उनका कहना है कि कभी-कभार सफाई करने के बजाय एक स्थायी व्यवस्था बनाई जानी चाहिए। इतना ही नहीं, क्षेत्र की कई सड़कें बुरी तरह टूट चुकी हैं। बारिश के दौरान गड्ढों में पानी भर जाने से हादसों का डर बना रहता है। कई बार बच्चे भी इन गड्ढों में गिर चुके हैं।

मानवाधिकार आयोग के मंच से सीएम मोहन का कांग्रेस पर हमला, बोले-

वोट की राजनीति ने नक्सलवाद को बढ़ाया, देश को गुलाम रखने वालों का महिमामंडन किया

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मानवाधिकार आयोग के मंच से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कांग्रेस पर सीधा हमला बोलते हुए उसके पुराने शासन और नक्सलवाद की राजनीति पर सवाल खड़े किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मानवाधिकार की आड़ में राजनीतिक स्वार्थ साधना स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के शासनकाल में देश को गुलाम बनाने वालों तक को सम्मान दिया गया और उनके नाम पर मार्गों के नाम रखे गए। नक्सलवाद को लेकर भी उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि वोट बैंक की राजनीति के चलते कई बार नक्सलियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई से परहेज किया गया, जिसका नुकसान समाज और देश को उठाना पड़ा।

मानवाधिकार के नाम पर वोट की राजनीति पर निशाना

मुख्यमंत्री ने कहा कि मानवाधिकार केवल किसी एक वर्ग या व्यक्ति के अधिकार तक सीमित नहीं है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को समान अवसर और सम्मान मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि कई बार राजनीतिक स्वार्थों के कारण मानवाधिकार की परिभाषा को अपने हिसाब से इस्तेमाल किया गया। नक्सलवाद का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि वोट की राजनीति के चलते नक्सलियों के खिलाफ समय पर कार्रवाई नहीं की गई और इससे समाज के सामने गंभीर चुनौतियां खड़ी हुईं।

'जिओ और जीने दो' का अधिकार

डॉ. यादव ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस शासन के दौरान देश को गुलाम बनाए रखने वालों को महिमा मंडित किया गया। उनके नाम पर सड़कों और मार्गों के नाम तक रखे गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की आजादी, समाज और नागरिकों के सम्मान से जुड़े इतिहास को सही दृष्टि से देखने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कोविड काल के प्रयासों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत ने महामारी के दौरान न केवल अपने नागरिकों की जान बचाने का प्रयास किया, बल्कि दुनिया के कई देशों को दवाएं उपलब्ध कराईं। उनके अनुसार, यह 'जीयो और जीने दो' के अधिकार को स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम था।

सनातन संस्कृति में मानवता का भाव

डॉ. यादव ने कहा कि 'जीयो और जीने दो' की भावना भारत की सनातन संस्कृति में आदिकाल से मौजूद रही है। उन्होंने वेद वाक्य 'यत् पिंडे तत् ब्रह्मांडे' का उल्लेख करते हुए कहा कि जैसा हमारे शरीर में है, वैसा ही ब्रह्मांड में है। जो मुझमें है, वही दूसरे में भी है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति ने केवल मनुष्य ही नहीं, बल्कि संपूर्ण प्रकृति के प्रति भी इसी भाव को अपनाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मानव जीवन 84 लाख योनियों के बाद प्राप्त होता है और इसका महत्व समझना जरूरी है। मध्यप्रदेश सरकार इसी भावना के साथ प्रत्येक व्यक्ति को समान अवसर और सम्मान देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि समाज में अधिकारों के साथ कर्तव्यों और जिम्मेदारियों की भावना भी मजबूत होनी चाहिए।

आयोग की स्मारिका और डायरी का विमोचन

भोपाल की आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन-प्रबंधकीय अकादमी में आयोजित समारोह का शुभारंभ मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर उन्होंने मानव अधिकार आयोग की विषय आधारित स्मारिका और डायरी का विमोचन किया। साथ ही मिशन कर्मयोगी के 'साधना सप्ताह' में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।

मेधावी विद्यार्थियों को मोहन सरकार की बड़ी सौगात

16 सितंबर को 7,500 से ज्यादा छात्रों को मिलेगी ई-स्कूटी, योजना में अब तक 246 करोड़ रुपए खर्च

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश के शासकीय स्कूलों में पढ़ने वाले मेधावी विद्यार्थियों के लिए 16 सितंबर का दिन खास होने जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्यमंत्री स्कूटी योजना के तहत भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में 7,500 से अधिक विद्यार्थियों को ई-स्कूटी वितरित करेंगे। कार्यक्रम शासकीय सुभाष उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शिवाजी नगर में सुबह 10 बजे से आयोजित होगा। सरकार की इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को पढ़ाई में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित करने के साथ उनकी उच्च शिक्षा की राह आसान बनाना है। ई-स्कूटी मिलने से विद्यार्थियों को आगे की पढ़ाई के लिए कॉलेज आने-जाने में भी सुविधा मिलेगी।

मुख्यमंत्री स्कूटी योजना के तहत शासकीय हायर सेकंडरी स्कूलों में कक्षा 12वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को योजना का लाभ दिया जाता है। इसके लिए विद्यार्थी का कक्षा 12वीं में प्रथम प्रयास में कम से कम 70 प्रतिशत अंक प्राप्त करना और अपने विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल करना जरूरी है। योजना का लाभ स्कूल शिक्षा तथा जनजातीय कार्य विभाग के शासकीय हायर सेकंडरी स्कूलों में नियमित रूप से अध्ययनरत विद्यार्थियों को दिया जाता है। खास बात यह है कि इसमें किसी एक संकाय तक योजना सीमित नहीं है, बल्कि सभी संकायों के पात्र विद्यार्थियों को शामिल किया गया है। शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए प्रदेश के 7,500 से अधिक पात्र विद्यार्थियों को 16 सितंबर को ई-स्कूटी का लाभ मिलेगा। सरकार का मानना है कि यह सुविधा विद्यार्थियों के लिए केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि उन्हें आगे की पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करने का माध्यम भी बनेगी। ई-स्कूटी मिलने से दूर-दराज के क्षेत्रों से उच्च शिक्षा के लिए आने वाले विद्यार्थियों को विशेष सुविधा मिलने की उम्मीद है। इससे नियमित रूप से कॉलेज पहुंचने और पढ़ाई जारी रखने में भी मदद मिलेगी।

अब तक 23 हजार से ज्यादा विद्यार्थी लाभान्वित

मुख्यमंत्री स्कूटी योजना के माध्यम से अब तक प्रदेश के 23 हजार से अधिक पात्र विद्यार्थी लाभान्वित हो चुके हैं। योजना के संचालन पर सरकार करीब 246 करोड़ रुपये खर्च कर चुकी है। प्रदेश सरकार का कहना है कि योजना का मकसद विद्यार्थियों की मेहनत और प्रतिभा को सम्मान देना है। शासकीय स्कूलों के विद्यार्थियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित करने से उनमें शिक्षा के प्रति उत्साह बढ़ेगा। साथ ही, उच्च शिक्षा के लिए आगे बढ़ने वाले विद्यार्थियों को आवागमन की सुविधा मिलने से उनकी पढ़ाई जारी रखने में भी मदद मिलेगी।

एमपी के 4 नए जिलों में तय हुई जातियों की आरक्षित श्रेणी

पांढुर्णा में एसटी श्रेणी में शामिल हुईं पारधी जनजातियां

मऊगंज, मैहर पांढुर्णा व निवाड़ी में आसानी से बनेंगे जाति प्रमाण पत्र

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के चार नवगठित जिलों मऊगंज, मैहर, पांढुर्णा और निवाड़ी में जातियों की आरक्षित श्रेणी तय कर दी गई है। इसके साथ ही इसी अनुरूप आरक्षण प्रमाण पत्र बनाने की व्यवस्था भी की गई है। छतरपुर, दतिया, पन्ना, रीवा, सतना, शहडोल, सीधी और टीकमगढ़ जिले में कुम्हार, कुम्हार (प्रजापति) और कुंभार अनुसूचित जाति (एससी) में हैं। मऊगंज और मैहर में भी इस जाति को एससी के अंतर्गत रखा गया है।

इसी तरह पनिका जाति को छतरपुर, पन्ना, रीवा, सतना, शहडोल, उमरिया, सीधी, टीकमगढ़ और दतिया की सेंवढ़ा व दतिया तहसील के साथ ही नए जिले मऊगंज, मैहर, निवाड़ी में एसटी में मान्य किया है। वहीं पारधी, बहेलिया, बहेल्लिया, चिता पारधी, लंगोली पारधी, फांस पारधी, शिकारी, टाकनकार एवं टाकिया जनजाति को पांढुर्णा जिले में एसटी में रखा गया है। छिंदवाड़ा जिले में यह जातियां एसटी में शामिल रही हैं। यह व्यवस्था इसलिए की गई है कि इन जाति के लोगों के नवगठित जिलों में प्रमाण पत्र बन सके। अन्य जिलों में भी यह व्यवस्था जाति प्रमाण पत्र बनाए जाने की सुविधा की दृष्टि से की गई है। मध्य प्रदेश विधानसभा में पिछले वर्ष मऊगंज जिले में कुम्हार जाति को अनुसूचित जाति की श्रेणी से हटाकर ओबीसी में शामिल करने का मामला उठाया गया। देवतालाब से विधायक गिरीश गौतम ने सवाल उठाया कि मऊगंज जिले में कुम्हार जाति के लोगों को एससी का प्रमाण पत्र नहीं मिल पा रहा है।

योजनाओं के लाभ से वंचित रहना भी सरकार ने भी माना

इस पर सरकार की ओर से जानकारी दी गई है कि एससी के सरल क्रमांक 35 में कुम्हार जाति रीवा, छतरपुर, सतना, दतिया, पन्ना, शहडोल, सीधी और टीकमगढ़ जिले में अधिसूचित है। रीवा जिले के विभाजन के बाद मऊगंज जिले के एमपी ई-डिस्ट्रिक पोर्टल से कुम्हार जाति उक्त सरल क्रमांक से विलोपित हो गई है। सरकार ने भी माना है कि उक्त जाति के छात्र पूर्व की तरह योजनाओं के लाभ से वंचित हैं। इन्हें फिर से एससी वर्ग में जोड़ने की प्रक्रिया जारी होने की बात कही गई।

पुलिस प्रशासन के संरक्षण में बिकी जहरीली शराब, मौतों की संख्या अधिक - दिग्विजय

भोपाल, दोपहर मेट्रो

सागर जिले में जहरीली शराब से हुई मौतों के मामले में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने सरकार और पुलिस-प्रशासन की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर लौटे सिंह ने दोपहर मेट्रो से चर्चा में दावा किया कि 5 सितंबर के बाद से अब तक 45 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, लेकिन सरकार वास्तविक आंकड़े सामने नहीं ला रही है।

दिग्विजय सिंह ने आरोप लगाया कि सागर के प्रभावित इलाकों में अवैध शराब का कारोबार लंबे समय से चल रहा था। उनके मुताबिक पुलिस और प्रशासन के संरक्षण के बिना इतने बड़े स्तर पर अवैध शराब की बिक्री संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि एक साथ बड़ी संख्या में मौतें होने के बाद मामला चर्चा में आया है, जबकि क्षेत्र में अवैध शराब से जुड़ी घटनाएं पहले भी होती रही हैं और उन पर पर्दा डाल दिया गया।

सिंह ने 'सागर गोल्ड' नाम से बिकने वाली शराब को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि यह सागर क्षेत्र की स्थानीय डिस्टिलरी से जुड़ा ब्रांड है और प्रशासन के संरक्षण के कारण इसी नाम से नकली व जहरीली शराब तैयार कर बाजार में बेची जाती रही। उन्होंने कहा कि पूरे मामले में जिला पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया की भूमिका भी संदेह के घेरे में है, उन्हें तत्काल हटाया जाए। पूर्व मुख्यमंत्री ने सरकार से जहरीली शराब से हुई मौतों का वास्तविक आंकड़ा सार्वजनिक करने और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। उन्होंने जिम्मेदार पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की बात भी कही। दिग्विजय वे प्रभावित परिवारों में से कुछ के बच्चों का जिम्मा उठाने के बात भी कही है।

झरने, पहाड़ियों और यादों से जुड़ा रेलवे का ठिकाना होगा खत्म

135 साल पुराना भदभदा घाट स्टेशन अब बनेगा इतिहास!

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल से करीब 22 किलोमीटर दूर विदिशा रोड पर बसा भदभदा घाट सिर्फ एक रेलवे स्टेशन नहीं, बल्कि प्राकृतिक खूबसूरती और इतिहास का अनोखा संगम है। बारिश के मौसम में यहां बहता झरना, चारों ओर फैली हरियाली, बलुआ पत्थर की पहाड़ियां और घुमावदार रेल पटरी इस जगह को खास बना देती हैं। लेकिन अब यह ऐतिहासिक पहचान जल्द ही अतीत का हिस्सा बनने जा रही है। भोपाल-विदिशा रेल मार्ग पर स्थित करीब 135 साल पुराना भदभदा घाट रेलवे स्टेशन आधुनिक रेल व्यवस्था के विस्तार के साथ बंद होने जा रहा है।

अंग्रेजों के दौर में अस्तित्व में आया था स्टेशन- भदभदा घाट स्टेशन सूखी सेवनिया और दीवानगंज के बीच स्थित है। रेलवे के अनुसार जनवरी 1889 में ब्रिटिश शासन के दौरान इंडियन मिडलैंड रेलवे ने झांसी-भोपाल के बीच बड़ी रेल लाइन की शुरुआत की थी। इसी दौर में भदभदा घाट भी रेल नेटवर्क का हिस्सा बना। पहाड़ियों और घने जंगलों के बीच स्थित होने के कारण इस छोटे से स्टेशन ने शुरुआत से ही अपनी अलग पहचान बनाई। रेल यात्रियों के अलावा फोटोग्राफर और प्रकृति प्रेमी भी यहां के प्राकृतिक नजारों से आकर्षित होते रहे

आधुनिक संकेत प्रणाली बनेगी स्टेशन बंद होने की वजह

रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी नवल अग्रवाल के अनुसार भोपाल-विदिशा रेलखंड पर आधुनिक स्वचालित संकेत प्रणाली लगाने का काम चल रहा है। इसके लागू होने के बाद ट्रेनों के संचालन में मानवीय हस्तक्षेप कम हो जाएगा। संकेत देने के लिए पहले की तरह स्टेशन मास्टर या केबिन कर्मचारियों की आवश्यकता नहीं रहेगी। रेलवे का मानना है कि इससे ट्रेनों की गति और सुरक्षा बेहतर होगी। साथ ही कम यात्री वाले छोटे स्टेशनों पर कर्मचारियों की तैनाती और रखरखाव का खर्च भी घटेगा।

झरने की 'भद-भद' आवाज से पड़ा नाम

भदभदा की पहचान सिर्फ रेलवे स्टेशन तक सीमित नहीं है। स्थानीय मान्यता के अनुसार स्टेशन के पास बहने वाले बड़े झरने का पानी जब ऊंचाई से नीचे गिरता है तो उससे 'भद-भद' जैसी आवाज निकलती है। इसी आवाज के आधार पर इस क्षेत्र का नाम भदभदा पड़ा। बारिश में झरने का तेज बहाव और आसपास की पहाड़ियों का मनमोहक दृश्य यहां आने वालों को आकर्षित करता है। स्थानीय लोगों का सुझाव है कि स्टेशन और झरने के क्षेत्र को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाए। ऐसा होने पर यह ऐतिहासिक स्थान न सिर्फ संरक्षित रह सकता है, बल्कि आसपास के ग्रामीणों के लिए रोजगार का नया जरिया भी बन सकता है।

राहुल के छात्रों की गूंज कार्यक्रम को जयस का साथ, युवाओं की मांगों को लेकर समर्थन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

इंदौर में 19 सितंबर को होने वाले लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के छात्रों की गूंज कार्यक्रम के लिए कांग्रेस युवाओं के बीच काम करने वाले संगठनों का भी साथ ले रही है। मालवा-निमाड़ अंचल में आदिवासियों के बीच काम करने वाला जय आदिवासी युवा शक्ति संगठन (जयस) क्षेत्र के युवाओं को कार्यक्रम से जोड़ने के लिए छात्रावासों में दस्तक देगा। इसके प्रदेश अध्यक्ष डॉ. हिरालाल अलावा धार जिले की मनावर विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक भी हैं। जयस ने 15 सितंबर को इंदौर में अपने कोर ग्रुप की बैठक बुलाई है, जिसमें युवाओं से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होगी। इनमें से कुछ विषय राहुल गांधी के सामने रखे जाएंगे।

डा. अलावा का कहना है कि छात्रों की गूंज गैर राजनीतिक कार्यक्रम है। इसमें युवाओं को क्यूआर कोड से प्रवेश मिलेगा। जिन मुद्दों को लेकर यह आयोजन किया जा रहा है, वही विषय जयस लंबे समय से उठाता आ रहा है। प्रदेश में एसटी वर्ग के एक लाख से अधिक पद रिक्त हैं, जिन्हें भरने के लिए वर्षों से विशेष भर्ती अभियान संचालित किए जा रहे हैं लेकिन रिक्तता बनी हुई है। यही स्थिति सिविल जज के पदों को लेकर भी है। छात्रावासों के हाल बेहाल हैं। छात्रवृत्तियां सालों लंबित रहती हैं।

राहुल गांधी से संवाद और विशेष व्यवस्था

छात्रों की गूंज कार्यक्रम के माध्यम से हमारी बातें उठाने की कोशिश की जाएगी। सूत्रों का दावा है कि जयस से जुड़े युवाओं को कार्यक्रम में बैठने के लिए अलग से स्थान मिलेगा। राहुल गांधी इनसे संवाद भी करेंगे।

बालाघाट में स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर राजेंद्र शुक्ल सख्त

67 चिकित्सक तैनात, हर पात्र को इलाज पहुंचाने के निर्देश

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने बालाघाट जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच हर हाल में सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र व्यक्ति उपचार और स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित नहीं रहना चाहिए। जिले में जरूरत के अनुसार संसाधन बढ़ाने के साथ स्वास्थ्य संस्थानों को मजबूत किया जाएगा। समीक्षा बैठक में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, संस्थागत प्रसव, जन्मजात बीमारियों से पीड़ित बच्चों के उपचार और मैदानी अमले की सक्रियता पर विशेष जोर दिया गया। उन्होंने अधिकारियों को जवाबदेही के साथ काम करने के निर्देश दिए।

दूरस्थ इलाकों तक पहुंचे स्वास्थ्य सेवाएं

राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि बालाघाट के प्रत्येक क्षेत्र को प्रभावी स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता है। दूरस्थ और ग्रामीण इलाकों में जरूरी संसाधनों की उपलब्धता बढ़ाई जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को नियमित रूप से मैदानी क्षेत्रों का दौरा करने और स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति की समीक्षा करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने प्रत्येक गर्भवती महिला का समय पर पंजीयन और सभी जरूरी जांच सुनिश्चित करने को कहा।

मेट्रो एंकर

वैश्य टेकरी-दंगवाड़ा समेत कई जगहों की होगी वैज्ञानिक जांच

उज्जैन के 4000 साल पुराने इतिहास को खंगालेगा पुरातत्व विभाग

ताम्रपाषाणकालीन संस्कृति से जुड़े स्थलों का होगा नए सिरे से सर्वेक्षण

चुनिंदा स्थानों पर उत्खनन और शोध की तैयारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

उज्जैन के पुरातात्विक महत्व को देखते हुए मध्य प्रदेश पुरातत्व संचालनालय पूरे जिले में पुरास्थलों का नए सिरे से सर्वेक्षण की तैयारी कर रहा है। इसमें ताम्रपाषाणकालीन संस्कृति से जुड़े स्थलों सहित अन्य ज्ञात और संभावित पुरास्थलों का अध्ययन किया जाएगा। सर्वेक्षण के बाद महत्वपूर्ण पाए जाने वाले स्थलों पर उत्खनन और शोध का काम किया जाएगा। इससे उज्जैन की प्राचीन बसाहटों, वहां बसने वालों के रहन-सहन और प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग से जुड़ी नई जानकारियां सामने आने की संभावना है।

उज्जैन की 4000 हजार वर्ष पुरानी संस्कृति- उज्जैन में ताम्रपाषाणकालीन संस्कृति से जुड़े प्रमाण पहले मिल चुके हैं। यह संस्कृति लगभग 2000 वर्ष ईसा पूर्व की मानी जाती है। यानी यह करीब 4000 हजार वर्ष पुरानी संस्कृति है। कायथा, नागदा और दंगवाड़ा ताम्रपाषाणकालीन संस्कृति के प्रमुख केंद्र रहे हैं। प्रस्तावित सर्वेक्षण में यह समझने का प्रयास किया जाएगा कि प्राचीन लोगों ने बसाहट के लिए इस स्थान का चयन क्यों किया। इसके लिए पानी, खेती, जमीन, प्राकृतिक संसाधन, पशुपालन और आसपास मौजूद दूसरी बस्तियों का अध्ययन किया जाएगा।

मौके पर जाकर कई स्थानों की जांच करेगी टीम

प्रस्ताव के अनुसार रूनिजा, बड़नगर, महिदपुर, गढ़कालिका, दांगवाड़ा, वैश्य टेकरी और कुम्हार टेकरी सहित ज्ञात पुरास्थलों का अध्ययन किया जाएगा। नए स्थलों की भी तलाश की जाएगी। इसके लिए उपग्रह से प्राप्त चित्रों और भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआइएस) की मदद ली जाएगी। इसके बाद पुरातत्व विभाग की टीम मौके पर जाकर इन स्थानों की जांच करेगी। महत्वपूर्ण पुरास्थलों की उच्च गुणवत्ता वाली तस्वीरें, ड्रोन से सर्वेक्षण और त्रि-आयामी (3-डी) प्रतिरूप तैयार किए जाएंगे। प्रत्येक स्थल की अलग पहचान संख्या के साथ उसका व्यवस्थित अभिलेख तैयार किया जाएगा। इसमें अशोककालीन स्तूप वैश्य टेकरी सहित अन्य पुरास्थलों को भी शामिल किया जाएगा। खेती, अतिक्रमण, अवैध उत्खनन, निर्माण, जल कटाव और शहरी विस्तार से प्रभावित होने वाले स्थलों को चिह्नित किया जाएगा। इसके आधार पर तय किया जाएगा कि किन पुरास्थलों को पहले संरक्षण की जरूरत है।

भर्ती को लेकर युवाओं का भरोसा

सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए उम्र सीमा में पांच वर्ष की बढ़ोतरी निश्चित रूप से राहत की खबर है। उन अभ्यर्थियों को इससे एक और अवसर मिल सकता है, जो भर्ती प्रक्रियाओं में देरी के कारण उम्र की सीमा पार कर चुके हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या केवल उम्र बढ़ाने से युवाओं के भीतर सरकारी भर्ती व्यवस्था को लेकर पैदा हुआ भरोसे का संकट खत्म हो जाएगा? शायद नहीं।

युवाओं की असली मांग इससे कहीं आगे की है। उन्हें यह जानना है कि भर्ती कब निकलेगी, परीक्षा कब होगी, परिणाम कब आएगा और नियुक्ति आखिर कब मिलेगी। वर्षों तक परीक्षा और नियुक्ति के इंतजार में उम्र पार कर देना किसी युवा की गलती नहीं है। जब सरकारी भर्ती प्रक्रिया ही लंबी खिंचती है तो उसका सबसे बड़ा नुकसान उस अभ्यर्थी को होता है, जिसने अपनी पढ़ाई, समय और भविष्य इसी उम्मीद पर लगाया है। सरकार के लिए यह मौका है कि वह भर्ती व्यवस्था में केवल तात्कालिक राहत न दे, बल्कि पूरी प्रक्रिया को समयबद्ध बनाने का स्थायी ढांचा तैयार करे। हर विभाग के खाली पदों की नियमित गणना हो, साल की शुरुआत में संभावित भर्तियों का कैलेंडर जारी हो और परीक्षा से नियुक्ति तक की प्रत्येक प्रक्रिया के लिए समयसीमा तय की जाए। यदि किसी स्तर पर देरी होती है तो उसकी जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण सवाल पारदर्शिता का है। सरकारी नौकरी की परीक्षा में शामिल होने वाला युवा केवल रोजगार नहीं चाहता, वह यह भरोसा भी चाहता है कि चयन निष्पक्ष होगा। परीक्षा की तारीख बदलने, परिणाम में देरी, भर्ती प्रक्रिया पर उठने वाले सवाल और नियुक्तियों के लंबे इंतजार ने कई जगह युवाओं के विश्वास को कमजोर किया है। इस भरोसे को विज्ञापन या घोषणा से नहीं, लगातार सही प्रक्रिया से ही वापस पाया जा सकता है।

यह भी समझना होगा कि सरकारी नौकरी देश के युवाओं के लिए रोजगार का एकमात्र रास्ता नहीं है। निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ाना, छोटे कारोबार को मजबूत करना, कौशल प्रशिक्षण को बाजार की जरूरत से जोड़ना और नए उद्योगों को प्रोत्साहन देना भी उतना ही जरूरी है। लेकिन जब सरकार स्वयं लाखों युवाओं से प्रतियोगी परीक्षा के माध्यम से नौकरी का अवसर देने का वादा करती है, तब उस प्रक्रिया को समय पर पूरा करना उसकी प्राथमिक जिम्मेदारी बन जाती है। उम्र सीमा बढ़ाने का फैसला स्वागत योग्य है, लेकिन इसे समस्या का समाधान मान लेना जल्दबाजी होगी। युवाओं को राहत के साथ निश्चितता चाहिए। उन्हें बार-बार यह नहीं सुनना कि भर्ती जल्द होगी; उन्हें तारीख चाहिए। फॉर्म की तारीख, परीक्षा की तारीख और नियुक्ति की तारीख। सरकार यदि भर्ती प्रक्रिया को समयबद्ध, पारदर्शी और भरोसेमंद बना देती है तो यह केवल कुछ हजार या लाख युवाओं को नौकरी देने का मामला नहीं रहेगा। इससे शासन के प्रति एक पूरी पीढ़ी का विश्वास मजबूत होगा। आखिर युवा सरकार से सिर्फ अवसर नहीं मांग रहा—वह अपने भविष्य को लेकर भरोसे की गारंटी मांग रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व राजनीति में भारत को कैसे अग्रणी बनाया ?

आलोक मेहता
वरिष्ठ पत्रकार

इस साल फरवरी में जब मेरी किताब ' रिवालूशनरी राज - नरेंद्र मोदी रुल ऑफ़ 25 इयर्स ' प्रकाशित हुई , तो कुछ कार्यक्रमों में मुझसे इस क्रांतिकारी राज में विश्व राजनीति में भारत को मोदी के कार्यकाल में कोई बड़ी उपलब्धि के सवाल हुए , तो मैंने 1971 से अब तक अपनी पत्रकारिता और तथ्यों के आधार पर उत्तर दिए। इसमें सबसे बड़ा तर्क यही है कि इंदिरा गाँधी से मनमोहन सिंह के राज तक संयुक्त राष्ट्र या अन्य अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भारत को ' गुट निरपेक्षता ' का ठप्पा लगाकर पेश किया जाता था , लेकिन मुझे 1983 के प्रारम्भ में दिल्ली के विज्ञान भवन में हुए गुट निरपेक्ष देशों के सम्मेलन के कवरेज के समय ही लगा था कि यह ठप्पा केवल अमेरिका और चीन से नाराज या सोवियत रुस समर्थक देशों का समूह है। इसके विपरीत प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में सत्ता सँभालने के साथ असली निर्गुट नीति अपनाकर रुस , अमेरिका , चीन , ब्रिटेन , अफ्रीका , मध्य पूर्व , पश्चिम और पूर्वी एशिया और यूरोपीय समुदाय के देशों के शीर्ष नेताओं से सीधे कूटनीतिक और कुछ हद तक अपनत्व के साथ सम्बन्ध जोड़ने शुरु कर दिए।

ताजा प्रमाण ब्रिक्स शिखर सम्मलेन में 12 देशों की उपस्थिति और भारत की भूमिका की स्वीकार्यता को मोदी की वैश्विक रणनीति का महत्वपूर्ण स्तंभ कहा जा सकता है।भारत ने 2016 में ब्रिक्स सम्मलेन की मेजबानी की थी और अब 2026 में अध्यक्षता की है ।2026 के सम्मलेन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन जैसे नेताओं के साथ भारत का संवाद इस रणनीति को और महत्वपूर्ण बनाता है। दुनिया की लगभग आधी आबादी और अर्थ व्यवस्था का करीब 40 प्रतिशत इस समूह से जुड़ा है। अमेरिका या उससे जुड़े देश थोड़े विचलित हो सकते हैं , लेकिन उन्हें भारत के सहारे ही चीन , रुस , ईरान से भी आर्थिक सम्बन्ध रखने की तमन्ना है। ब्रिक्स सम्मलेन की सबसे बड़ी सफलता केवल चीन , रुस , ईरान , सऊदी अरब , इंडोनेशिया और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों के राष्ट्र प्रमुखों द्वारा स्वीकार किए गए घोषणा पत्र में पाकिस्तान द्वारा जम्मू कश्मीर में अप्रेल 2025 में किए गए आतंकी हमले की भर्त्सना किया जाना है। यही नहीं किसी भी सत्ता द्वारा आतंकियों की फंडिंग और आतंकवाद के विरुद्ध मिलकर लड़ने का संकल्प लिया गया। यह मोदी की कूटनीतिक सफलता है , क्योंकि चीन , सऊदी अरब तो पाकिस्तान के सबसे प्रमुख समर्थक रहे हैं। टेरिफ की बन्दर घुड़की देने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प भारत आने और उससे पहले नवम्बर में चीन रुस के राष्ट्रपतियों से मिलने के इन्तजार में हैं। इसलिए यहाँ निराश पिटे हुए चिदंबरम जैसे कुछ कांग्रेसी नेता भले ही ब्रिक्स या किसी से कुछ न मिलने का रुदन करें , संयुक्त राष्ट्र , विश्व बैंक , विश्व मुद्रा कोष भारत के नेतृत्व और आर्थिक विकास में सबसे अग्रणी होने की सराहना सम्मेलन में ही कर रहे हैं। मोदी के लिए ब्रिक्स का महत्व ग्लोबल साउथ की अवधारणा , पश्चिमी देशों के प्रभुत्व वाले संगठनों में सुधार , वैकल्पिक वित्तीय मेकेनिज्म , व्यापार , ऊर्जा , टेक्नोलॉजी , विकास के वित्तीय प्रबंध , बहुध्रुवीय विश्व के लिए है।

इसे संयोग कहा जाए अथवा मोदी के सलाहकारों की रणनीति कि ब्रिक्स में मोदी की जयकार उनके जन्म दिन (17 सितम्बर) से तीन दिन पहले से हो रही है। वहीं उनकी भारतीय जनता पार्टी नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री से प्रधान मंत्री तक के सफल 25 वर्षों के सत्ता काल के उत्सव मनाने जा रही है। मैंने अपनी किताब और लेखों में तो इस तथ्य को रेखांकित किया है कि पुतिन , शी जिनपिंग या ट्रम्प सहित दुनिया के किसी देश के नेता के पास एकसाथ 25 वर्ष सत्ता चलाने का अनुभव नहीं है। ध्यान देने की बात यह है कि मोदी की अंतरराष्ट्रीय समझ 2014 के बाद अचानक पैदा नहीं हुई। वे लंबे समय तक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े रहे और बाद में भाजपा संगठन में आए। 1978 में वे संघ के क्षेत्रीय स्तर के प्रचारक बने और 1979 में दिल्ली में संघ के काम से जुड़े। 1980 के दशक के उत्तरार्ध में भाजपा संगठन में उनकी भूमिका बढ़ी। 1990 में लालकृष्ण आडवाणी की राम रथयात्रा और 1991-92 में मुरली मनोहर जोशी की एकता यात्रा के संगठन में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। यही वह दौर था जिसमें मोदी ने देश के अलग-अलग हिस्सों को संगठन की दृष्टि से समझा और बाद में विदेशों में भारतीय समुदाय से संपर्क का अनुभव भी प्राप्त किया। बहुत काम लोगों को मालूम होगा कि 1993 में नरेंद्र मोदी अमेरिका गए थे, उस समय वे न मुख्यमंत्री थे, न सांसद और न ही केंद्र सरकार में कोई पद था। वे भाजपा-संघ संगठन से जुड़े नेता थे। उनका पहल प्रशिक्षण दौरा अमेरिकन कौंसिल ऑफ़ यंग पोलिटिकल लीडर्स संस्था के निमंत्रण पर हुआ था। यह संगठन अमेरिकी सरकार के सहयोग से दुनिया खासकर उस समय के विकासशील देशों के चुनिंदा युवा नेताओं को एक महीने के लिए आमंत्रित करता रहा है। इस अवधि में अमेरिका

भ्रमण के दौरान विचारों के आदान प्रदान ,नेताओं और प्रशासन के वरिष्ठ नेताओं के साथ संवाद आदि के कार्यक्रम होते हैं। यह वही दौर था , जब राव राज में भारत ने उदार अर्थ व्यवस्था के लिए खड़की दरवाजे खोलने शुरु हुए थे। इस तरह मोदीजी को अमेरिकी राजनीतिक व्यवस्था, नेतृत्व, चुनावी राजनीति और संस्थागत कामकाज देखने का अवसर मिला।

दिलचस्प बात यह है कि उस समय का यह अनुभव बाद के मोदी में दिखाई देता है—विदेश जाकर केवल सरकारों से बात नहीं करना, बल्कि राजनीतिक व्यवस्था, कारोबारी समुदाय और प्रवासी भारतीयों को भी समझना। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में विदेश नीति का पहला प्रयोग शरू किया । 2001 में नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री बने।उनकी सबसे बड़ी विशेषता थी कि उन्होंने मुख्यमंत्री के पद को केवल प्रशासनिक पद नहीं माना। उन्होंने गुजरात को एक सफल आर्थिक प्रगति वाले मोडल प्रदेश के रूप में प्रस्तुत करना शुरू किया। उनका लक्ष्य था: विदेशी निवेश , उद्योग, तकनीक , इन्फ्रास्ट्रकचर , बंदरगाह , ऊर्जा , फार्मासूटिकल , हीरा उद्योग , ऑटोमोबाइल , प्रवासी भारतियों को निवेश से जोड़ना रहा इसी रणनीति के केंद्र में वायब्रेंट गुजरात के अनतर्राष्ट्रीय आयोजन शुरू किए। इन आयोजनों को अहमदाबाद गांधीनगर में जाकर मैंने स्वयं देखा है। देश विदेश के उद्यमी और समबन्धित नेताओं के आने से मोदी को राजनीतिक आर्थिक क्षेत्र में पैर मजबूत करने में सुविधा हुई।

भारत में उनके विरोधियों और केंद्र में कांग्रेस की सरकार के कारण 2005 में अमेरिका ने उन्हें वीजा देने से इनकार किया। इसके बावजूद उन्होंने अपनी विदेश नीति को रोकने के बजाय एशिया की ओर ज्यादा केंद्रित किया। वे चीन, जापान, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया, ताइवान, मलेशिया, थाईलैंड और अन्य एशियाई केंद्रों से आर्थिक संपर्क बढ़ाते रहे। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में उनकी यात्राओं में रूस और चीन की तीन-तीन यात्राएँ, इजरायल, स्विट्जरलैंड, युगांडा और केन्या जैसी यात्राएँ भी शामिल थीं। मुख्यमंत्री रहते हुए मोदी ने चीन को केवल राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी की तरह नहीं देखा।

उन्होंने चीन की विशेष इकोनॉमिक जोन , इंफ्रास्ट्रक्चर , पोर्ट्स ,लघु मध्यम श्रेणी के उद्यम , शहरी विकास जैसे कार्यों का अध्ययन किया। उनकी 2006, 2007 और 2011 में चीन की यात्राओं का उल्लेख मिलता है। 2011 की यात्रा में बीजिंग , शंघाई और चेंगडु शामिल थे तथा उनके साथ कारोबारी प्रतिनिधिमंडल भी था। यानी मोदी का संदेश था: 'जिस देश से प्रतिस्पर्धा करनी है, उससे भी सीखो। 'यही शायद उनकी विदेश नीति की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में से एक है। जापान से चीन तक—मुख्यमंत्री के रूप में विकास की कूटनीति सार्थक होती गई। 2007 और 2012 में जापानी प्रधानमंत्री शिंजो आबे के साथ उनकी मुलाकातों ने व्यक्तिगत संबंध बनाने में भूमिका निभाई। गुजरात में जापानी निवेश आकर्षित करने की कोशिशें आगे बढ़ीं। बाद में प्रधानमंत्री बनने पर यही सोच मुंबई अहमदाबाद बुलेट ट्रैन परियोजना के रूप में सामने आई। मुख्यमंत्री मोदी विदेश यात्रा को केवल औपचारिक यात्रा नहीं बनाते हंब , वे वहाँ से नए आइडिया लेकर लागू करने की कोशिश करते हैं ।

26 मई 2014 को नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने।उनकी पहली विदेश यात्रा जून 2014 में भूटान की थी। इसके बाद ब्राजील में ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल हुए। इसके बाद उनकी विदेश यात्राओं की गति असाधारण रही।सितंबर 2026 तक उपलब्ध जानकारी के अनुसार मोदी ने प्रधानमंत्री के रूप में 100 से अधिक अंतरराष्ट्रीय यात्राएँ की हैं और 80 से अधिक देशों तक पहुँचे हैं। मोदी की विदेश नीति का मूल मंत्र: 'सबसे संबंध, किसी से गुलामी नहीं। ' मोदी की विदेश नीति को केवल 'अमेरिकी या रुसी ओरिएंटेड नहीं कही जा सकती है। वे एक साथ अमेरिका , रुस , चीन , फ्रांस , जर्मनी , ईरान , इसराइल , संयुक्त अरब अमीरात , सऊदी अरब , आसियान , अफ्रीका के साथ के साथ संबंध बनाए रखने की कोशिश करते हैं।यही स्ट्रैटिजिक ऑटोनोमी जैसा मॉडल है। यूक्रेन युद्ध के दौरान भारत ने रूस से संबंध नहीं तोड़े, लेकिन यूक्रेन के साथ भी संवाद रखा। पश्चिम एशिया में इसराइल के साथ रणनीतिक संबंध हैं, लेकिन ईरान और खाड़ी के देशों से भी भारत के संबंध जारी रहे।चीन के साथ सीमा विवाद गंभीर है, लेकिन ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन जैसे मंचों पर संवाद जारी है।

अगर मोदी के प्रधानमंत्री काल की एक बड़ी कूटनीतिक सफलता चुननी हो तो 2023 में जी - 20 की अध्यक्षता सबसे महत्वपूर्ण कही जा सकती है। नई दिल्ली में जी - 20 सम्मेलन के दौरान भारत ने अफ्रीकन देशों के संगठन यानी अफ्रीकी देशों को को जी 20 का स्थायी सदस्य बनाने में भूमिका निभाई। दिल्ली घोषणा पत्र पर सहमति बनाने में सफलता पाई। भारत मध्य पूर्व यूरोप इकनोमिक कॉरिडोर की घोषणा में भूमिका निभाई , यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण था क्योंकि यूक्रेन युद्ध के कारण जी 20 के भीतर मतभेद बहुत गहरे थे।फिर भी भारत ने सर्वानुमति से घोषणा जारी करवाई। सबसे बड़ा काम भारत की पाकिस्तान के आतंकवाद पर हर मंच से न केवल भर्त्सना की , नाम लिए बिना सबको साथ देने का संकल्प करवाया। भारत जी 7 का सदस्य नहीं है। लेकिन मोदी को कई वर्षों में जी 7 के विशेष सत्रों में आमंत्रित किया गया।यानी मोदी ने जी 7 की सदस्यता प्राप्त नहीं की—बल्कि जी 7 के बाहर रहकर भारत को उस बातचीत का आवश्यक पक्ष बना दिया। क़्वाद यानि अमेरिका , जापान , आस्ट्रेलिया और भारत के लिए भारत प्रशांत क्षेत्र की रणनीति कारगर है। प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत की भूमिका को भी अधिक सक्रिय बनाया। उन्होंने सुरक्षा परिषद् में भारत की स्थायी सदस्यता की मांग दोहराई। उनकी विदेश नीति का एक बड़ा हिस्सा यह रहा है कि भारत केवल नियमों का पालन करने वाला देश नहीं, बल्कि नियम बनाने में भाग लेने वाली शक्ति बने। इसी सोच के तहत संयुक्त राष्ट्र सुधार , आतंकवाद से संघर्ष , पर्यावरण संरक्षण , सौर ऊर्जा अलायंस , योग से स्वास्थ्य जैसे मुद्दों को विश्व व्यापी बना दिया। इसलिए चाहे उन्हें न कहें, लेकिन मोदी के भारत को विश्व गुरु के रूप में स्वीकारा जाना चाहिए। उनके जन्म दिन और 25 वर्षों के सत्ता काल की बधाई और शुभकामनाएं।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हिंदी दिवस... उत्सव नहीं, आत्ममंथन और भाषा के भविष्य का संकल्प

डॉ. सत्यवान सौरभ
स्तंभकार

हर वर्ष 14 सितंबर को मनाया जाने वाला हिंदी दिवस हमारे संवैधानिक इतिहास, भाषायी विविधता और सांस्कृतिक स्मृति से जुड़ा महत्वपूर्ण अवसर है। 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने देवनागरी लिपि में लिखी हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। संविधान लागू होने के बाद इस निर्णय को अनुच्छेद 343 में स्थान मिला। इसी ऐतिहासिक घटना की स्मृति में 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है।

लेकिन हिंदी दिवस का अर्थ केवल इतना नहीं होना चाहिए कि इस दिन हिंदी के महत्व पर भाषण दिए जाएँ, कविताएँ सुनाई जाएँ और सरकारी कार्यालयों में हिंदी सप्ताह या पखवाड़े आयोजित कर औपचारिकता पूरी कर ली जाए। असली सवाल यह है कि हिंदी हमारे जीवन, शिक्षा, प्रशासन, न्याय, विज्ञान, तकनीक और रोजगार की भाषा कितनी बन पाई है। यदि हिंदी का सम्मान समारोहों और घोषणाओं तक सीमित है, तो हिंदी दिवस हमें उत्सव से अधिक आत्ममंथन का अवसर देता है। सबसे पहले यह स्पष्ट समझना जरूरी है कि हिंदी भारत की राष्ट्रभाषा नहीं, बल्कि संघ की राजभाषा है। संविधान के अनुच्छेद 343 के अनुसार संघ की राजभाषा हिंदी और उसकी लिपि देवनागरी है। भारत जैसे बहुभाषी देश में यह अंतर केवल संवैधानिक शब्दावली का विषय नहीं, बल्कि हमारी लोकतांत्रिक संवेदना का भी प्रश्न है। भारत की पहचान उसकी भाषायी विविधता से निर्मित होती है। तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, बांग्ला, असमिया, मराठी, गुजराती, पंजाबी, उड़िया, उर्दू, कश्मीरी, मैथिली और अनेक अन्य भारतीय भाषाएँ समाज की स्मृतियों, अनुभवों और सांस्कृतिक विरासत को अभिव्यक्ति देती हैं। इसलिए हिंदी का विकास इन भाषाओं के विरोध में नहीं, बल्कि उनके साथ संवाद और सहयोग के माध्यम से होना चाहिए। हिंदी दिवस पर विद्यालयों, विश्वविद्यालयों और सरकारी संस्थानों में निबंध-लेखन, भाषण, वाद-विवाद, कविता-पाठ, प्रश्नोत्तरी और पुरस्कार-वितरण जैसे कार्यक्रम होते हैं। इन आयोजनों का अपना महत्व है और वे भाषा के प्रति उत्साह पैदा करते हैं, लेकिन हिंदी का वास्तविक विकास इन कार्यक्रमों के समाप्त होने के बाद शुरू होता है। हिंदी को समारोहों की भाषा से आगे बढ़ाकर प्रयोग और ज्ञान की भाषा बनाना समय की आवश्यकता है।

आज भी सरकारी वेबसाइटों, शोध-सामग्रियों और अनेक आधिकारिक दस्तावेजों में अंग्रेजी का प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता है। उच्च शिक्षा में हिंदी माध्यम के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण पाठ्यपुस्तकों और नवीन शोध-सामग्री की कमी का सामना करना पड़ता है। विज्ञान, चिकित्सा, कानून, प्रबंधन और सूचना-प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में हिंदी सामग्री उपलब्ध तो है, लेकिन उसकी मात्रा, गुणवत्ता और अद्यतन स्वरूप को अभी और मजबूत किए जाने की आवश्यकता है। हिंदी को ज्ञान की भाषा बनाने के लिए केवल अनुवाद पर्याप्त नहीं होगा। मौलिक लेखन, आधुनिक शब्दावली, विषय-विशेषज्ञों की भागीदारी और गुणवत्तापूर्ण संपादन भी जरूरी है। किसी अंग्रेजी पुस्तक का कठिन और यांत्रिक अनुवाद विद्यार्थियों को हिंदी के करीब नहीं लाता। ज्ञान तभी जनसुलभ होगा, जब उसकी भाषा सरल, स्वाभाविक और विषयानुकूल हो।

भाषा और शिक्षा का संबंध भी अत्यंत गहरा है। जिस भाषा में बच्चा सोचता और अनुभव करता है, उसी भाषा में उसे जटिल विषयों को समझने का बेहतर अवसर मिलता है। इसके बावजूद भारत में भाषा-शिक्षा का प्रश्न अक्सर सामाजिक प्रतिष्ठा और रोजगार की चिंता से जुड़ जाता है। अंग्रेजी का ज्ञान आज के वैश्विक और रोजगारपरक परिवेश में महत्वपूर्ण है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं होना चाहिए कि हिंदी या अन्य भारतीय भाषाओं में शिक्षा को कमतर माना जाए।

हिंदी को अंग्रेजी के विरोध में खड़ा करने के बजाय भारतीय भाषाओं के सहयोग, आधुनिक ज्ञान और डिजिटल तकनीक से जोड़ना होगा। हिंदी को बचाने की आवश्यकता नहीं है; आवश्यकता उसे समय के अनुरूप विकसित करने की है। वह तभी जीवंत और प्रभावी रहेगी, जब उसमें विज्ञान की स्पष्टता, साहित्य की संवेदना, पत्रकारिता की निर्भीकता और तकनीक की गति एक साथ उपस्थित हों।

इसलिए हिंदी दिवस पर हमारा संकल्प केवल हिंदी बोलने का नहीं, बल्कि हिंदी में सोचने, शोध करने, ज्ञान रचने और नए अवसर निर्मित करने का होना चाहिए। हिंदी समारोहों की भाषा से आगे बढ़कर जीवन, शिक्षा, ज्ञान और रोजगार की भाषा बने—यही हिंदी दिवस की वास्तविक सार्थकता होगी।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

निशाना

ये ज़माने का अज़ब दस्तूर है

धर्मराज देशराज

ये ज़माने का अज़ब दस्तूर है
आदमी खुद आदमी से दूर है।
प्यार रब है बात ये मशहूर है
प्यार के बिन ज़िन्दगी बेनूर है।
आदमी की कैसी है ये बेबसी
मौत के हाथो बड़ा मज़बूर है।
ग़म मिला आहें मिली आँसू मिले
कैसे कह दूँ मुफ़लिसी भरपूर है।
शुद्ध पौधों की हवा दीजे उसे
सांस जो इन्सान की मज़दूर है।
ज़िन्दगी की वो हक़ीक़त जान ले
चंद सिक्के पा के जो मग़रूर है।
चाँद तारों को छुआ लेकिन 'धरम '
आदमी सच से बहुत ही दूर है।

यूजर्स गाइड

अब Jio खरीदेगा आपका पुराना फोन MyJio ऐप में आया काम का नया फीचर

अब जब नए iPhones लॉन्च हो चुके हैं, तो काफी लोग अपने पुराने फोन को बेचकर नया iPhone लेने का मन बना रहे होंगे। हालांकि, पुराना फोन बेचना एक झंझट भरा काम है। सही खरीदार ढूंढने से लेकर मोलभाव करने तक पुराने फोन के सही दाम पाने में काफी दिनों का समय लग सकता है। इस समस्या को अब Jio दूर करेगा। दरअसल MyJio ऐप पर एक कमाल का फीचर आया है, जिसकी मदद से आप अपने पुराने फोन को बेच सकते हैं। इसके लिए आपको ऐप में ही अपने फोन को टेस्ट करने और अनुमानित कीमत चेक करने का फीचर मिल जाता है। इसके बाद आप नजदीकी Jio स्टोर पर जाकर अपना फोन हैंडओवर करके पेमेंट भी पा सकते हैं।

X पर शेयर किया गया फीचर: MyJio ऐप के इस खास फीचर की डिटेल्स को एक यूजर ने X पर पोस्ट किया है। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा कि करीब 5 साल पुराने फोन, जिसकी कीमत 20,000 रुपये थी के MyJio ऐप पर उन्हें 5000 रुपये रीसेल वैल्यू के तौर पर मिल रहे हैं। उन्होंने अपने पोस्ट में बताया कि MyJio ऐप पर मौजूद ये फीचर फोन के हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर को आसानी से चेक करने की सुविधा भी देता है। सबकुछ हो जाने के बाद फोन को पास के Jio स्टोर पर देकर अपने पुराने फोन की कीमत प्राप्त की जा सकती है।

MyJio ऐप पर पुराना फोन बेचने के लिए तीन स्टेप्स में काम हो जाता है। इसके लिए पहले MyJio ऐप को अपडेट कर लें और फिर ऐप में मौजूद Reliance Digital - Check your phone value instantly पर क्लिक करें। इसके बाद अपने फोन का मॉडल चुनें और बेसिक जानकारी उपलब्ध कराएं कि फोन की हालत कैसी है? वह काम करता है या नहीं करता है आदि। इसके बाद आपको अपने फोन की संभावित रीसेल वैल्यू दिखने लगेगी। फोन की संभावित रीसेल वैल्यू देख लेने के बाद ऐप पर एक गाइडेड हार्डवेयर टेस्ट चलाता है। इसमें फोन के हार्डवेयर को टेस्ट किया जाता है। ऐप में एक के बाद एक टेस्ट्स आते रहते हैं और आपके फोन का कैमरा, स्क्रीन, माइक और फिजिकल बटन्स आदि चेक कर लिए जाते हैं।

स्टोर जाकर लें फोन के पैसे: हार्डवेयर टेस्ट पूरा होने के बाद आपको ऐप में ही पास के रिलायंस डिजिटल स्टोर या Jio स्टोर का पता दिखता है। अब अगर आप दिखाई गई संभावित कीमत के लिए अपना फोन बेचना चाहते हैं, तो उस स्टोर पर जाकर अपने फोन को देकर पेमेंट हासिल कर सकते हैं।

अजब-गजब

सौ कीड़ों के सिर की माला, बदले में मिलते हैं 200 रुपये

मध्य प्रदेश के जंगलों में साल के पेड़ों को बचाने के लिए वन विभाग ने ऐसा अनोखा अभियान शुरू किया है, जिसे सुनकर पहली बार में यकीन करना मुश्किल हो सकता है। यहां ग्रामीणों को साल के पेड़ों को नुकसान पहुंचाने वाले साल बोरर कीड़ों को पकड़ने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसके लिए एक बेहद अनोखी तकनीक अपनाई गई है, जिसे 'मुंडमाला' या 'कीड़ा माला' कहा जाता है।

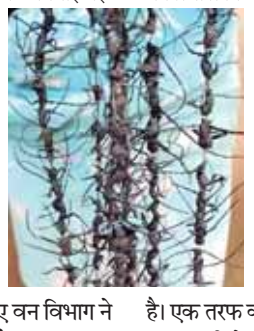

साल के जंगल मध्य प्रदेश की महत्वपूर्ण प्राकृतिक संपदा हैं। लेकिन साल बोरर नाम का कीड़ा पेड़ के तने में छेद करके अंदर पहुंच जाता है। धीरे-धीरे यह पेड़ की लकड़ी और उसकी सेहत को नुकसान पहुंचाता है। बड़े पैमाने पर संक्रमण होने पर पेड़ कमजोर होकर सूख भी सकते हैं। इसी समस्या से निपटने के लिए वन विभाग ने स्थानीय ग्रामीणों को इस अभियान से जोड़ा है।

इस अभियान की सबसे अनोखी बात इसका प्रोत्साहन है। ग्रामीणों को कीड़े पकड़ने के लिए भुगतान किया जा रहा है। 100 कीड़ों के सिर जमा करने पर 200 रुपये दिए जाते हैं। यानी जितने ज्यादा नुकसानदायक कीड़े पकड़े जाएंगे, उतना ही आर्थिक लाभ ग्रामीणों को मिलेगा। इस वजह से स्थानीय लोगों की भागीदारी भी बढ़ रही है।

वन विभाग के इस प्रयोग का मकसद केवल कीड़ों की संख्या कम करना नहीं है। इसके पीछे जंगल और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को एक साथ जोड़ने की सोच भी है। जिन इलाकों में ग्रामीण जंगलों के आसपास रहते हैं, वहां उन्हें संरक्षण की गतिविधियों में भागीदार बनाकर पेड़ों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक इस अभियान में अब तक लाखों कीड़ों को पकड़ा जा चुका है। इससे साल के पेड़ों पर होने वाले संक्रमण को नियंत्रित करने में मदद मिलने की उम्मीद है। खास बात यह है कि इसमें किसी बड़ी मशीन या महंगी तकनीक के बजाय स्थानीय लोगों की मेहनत को इस्तेमाल किया जा रहा है।

'मुंडमाला' नाम सुनने में भले ही अजीब लगे, लेकिन इसके पीछे मकसद बेहद गंभीर है। एक तरफ कीटों की संख्या नियंत्रित करना और दूसरी तरफ ग्रामीणों को अतिरिक्त आय का अवसर देना—दोनों काम एक साथ करने की कोशिश हो रही है।

जंगल बचाने के लिए आम तौर पर पौधे लगाने, गश्त बढ़ाने या आग रोकने की बातें होती हैं। लेकिन यहां कहानी उलटी है। पेड़ बचाने के लिए ग्रामीणों को पेड़ के दुश्मन की तलाश में लगाया गया है। यही वजह है कि मध्य प्रदेश का यह अनोखा प्रयोग खासा ध्यान खींच रहा है।

तेजगढ़ में अष्टभुजा गणेश, 500 साल पुरानी प्रतिमा का रहस्य आज भी बरकरार

जमीन से प्रकट होने की मान्यता, राजा तेजी सिंह ने गणेश घाट के पास कराया था स्थापित, देश में ऐसी प्रतिमा दुर्लभ

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

दमोह जिले के तेंदूखेड़ा ब्लॉक के तेजगढ़ गांव में भगवान गणेश की करीब 500 वर्ष पुरानी अष्टभुजा प्रतिमा आज भी श्रद्धा और रहस्य का केंद्र बनी हुई है। जबलपुर मुख्य मार्ग पर स्थित प्राचीन मंदिर में विराजमान इस प्रतिमा के यहां पहुंचने की सटीक जानकारी किसी के पास नहीं है। ग्रामीण बुजुर्गों के अनुसार उनके पूर्वज बताते थे कि यह प्रतिमा करीब पांच शताब्दी पहले जमीन के नीचे से स्वयं प्रकट हुई थी। इसके बाद तेजगढ़ के राजा तेजी सिंह ने इसे गणेश घाट के समीप स्थापित कराया था। इसी के बाद घाट का नाम गणेश घाट पड़ने की मान्यता है।

ग्रामीणों का कहना है कि तेजगढ़ गांव को भी राजा तेजी सिंह ने ही बसाया था। शिक्षक महेंद्र दीक्षित और डॉ. अनूप ठाकुर के अनुसार मंदिर ऐतिहासिक है और प्रतिमा अत्यंत प्राचीन मानी जाती है। करीब 85 वर्ष पहले प्रतिमा मंदिर के नीचे धंसने लगी थी। उस समय फतेहपुर गांव से आए एक संत की मौजूदगी में प्रतिमा को बाहर निकाला गया। प्रतिमा पर जमा बड़ी मात्रा में सिंदूर को नर्मदा नदी में प्रवाहित किया गया और ग्रामीणों के सहयोग से मंदिर का पुनर्निर्माण कराया गया।

आज यह मंदिर आसपास के करीब 50 गांवों के श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। शनिवार को विशेष पूजा और सिंदूर शृंगार किया जाता है। गणेश चतुर्थी पर यहां विशेष आयोजन होता है। प्रतिमा की अष्टभुजा आकृति इसे और भी विशिष्ट बनाती है।

जमीन से प्रकट हुई थी प्रतिमा

तेजगढ़ के ग्रामीणों के बीच भगवान गणेश की इस प्राचीन प्रतिमा को लेकर कई पीढ़ियों से मान्यता चली आ रही है। गांव के बुजुर्ग बताते हैं कि उनके पूर्वजों ने उन्हें बताया था कि करीब 500 वर्ष पहले यह प्रतिमा जमीन के नीचे से प्रकट हुई थी। बाद में तेजगढ़ के राजा तेजी सिंह ने प्रतिमा को गणेश घाट के समीप स्थापित कराया। इसी वजह से उस स्थान का नाम गणेश घाट पड़ने की बात कही जाती है। प्रतिमा के यहां आने की कोई प्रमाणित जानकारी उपलब्ध नहीं है, लेकिन स्थानीय लोगों की आस्था इससे गहराई से जुड़ी है। अष्टभुजा स्वरूप में विराजमान गणेश प्रतिमा को ग्रामीण स्वयंभू मानते हैं। भक्तों का विश्वास है कि मंदिर में सच्चे मन से की गई प्रार्थना पूरी होती है। यही विश्वास दूर-दूर से श्रद्धालुओं को यहां खींच लाता है।

धंसने लगी थी प्रतिमा

ग्रामीणों के अनुसार करीब 85 वर्ष पहले मंदिर में स्थापित भगवान गणेश की प्रतिमा नीचे की ओर धंसने लगी थी। इससे श्रद्धालुओं में चिंता बढ़ गई। इसी दौरान फतेहपुर गांव से एक संत के आने की बात बताई जाती है। उनकी मौजूदगी में प्रतिमा को बाहर निकाला गया। उस समय प्रतिमा के ऊपर बड़ी मात्रा में सिंदूर जमा मिला था। ग्रामीणों ने उस सिंदूर को नर्मदा नदी में प्रवाहित किया। इसके बाद स्थानीय लोगों ने मिलकर मंदिर का नया स्वरूप तैयार कराया। तब से मंदिर लगातार श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बना हुआ है। शनिवार को यहां विशेष पूजा-अर्चना की जाती है और भगवान गणेश का सिंदूर से शृंगार किया जाता है। बदलते समय के साथ क्षेत्र में अनेक स्थानों पर गणेश प्रतिमाएं स्थापित होने लगीं, लेकिन तेजगढ़ के प्राचीन मंदिर में आज भी पुरानी पूजा परंपरा कायम है। तेजगढ़ के प्राचीन मंदिर में विराजमान भगवान गणेश की प्रतिमा का अष्टभुजा स्वरूप इसे विशेष बनाता है। स्थानीय लोगों के अनुसार आसपास के क्षेत्र में ऐसी प्रतिमा का कोई दूसरा उदाहरण आसानी से देखने को नहीं मिलता।

न्यूज विंडो

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 100 से अधिक मरीजों की हुई जांच

मंडीदीप। सेठ फूलचंद नगर, वार्ड क्रमांक 1 स्थित मृत्युंजय मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल में रविवार को निःशुल्क विशाल स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक चले शिविर में 100 से अधिक मरीजों ने पहुंचकर स्वास्थ्य परीक्षण कराया और विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श लिया। शिविर में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. ज्योति शलभ तिवारी, सर्जरी विशेषज्ञ डॉ. अशोक कुमार राठौर, फिजिशियन डॉ. एम.एच. राईन तथा हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ डॉ. अनुज निगम ने मरीजों की जांच की। विशेषज्ञों ने जोड़ों के दर्द, घुटना प्रत्यारोपण, फ्रैक्चर, कमर दर्द, गठिया और खेलकूद के दौरान होने वाली चोटों सहित विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित मरीजों को उचित परामर्श दिया। अस्पताल की संचालक डॉ. ज्योति तिवारी ने बताया कि शिविर का उद्देश्य क्षेत्रीय नागरिकों को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना था। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों ने शिविर में उत्साहपूर्वक भाग लिया और विशेषज्ञ चिकित्सकों से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर परामर्श प्राप्त किया।

राजेश राजौरिया महासचिव, देवेंद्र अजमेरा उपाध्यक्षद्व प्रीति पायल बनीं मीडिया प्रभारी

मंडीदीप। मध्यप्रदेश एसओपीएएस के नवगठित प्रदेश संगठन में रायसेन जिले के तीन पदाधिकारियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मिलने से जिले के स्कूल संचालकों में हर्ष का माहौल है। राजेश राजौरिया को प्रदेश महासचिव, देवेंद्र अजमेरा को प्रदेश उपाध्यक्ष तथा प्रीति पायल को प्रदेश मीडिया प्रभारी बनाया गया है। वहीं दिनेश शर्मा रायसेन जिला अध्यक्ष के रूप में संगठन का नेतृत्व कर रहे हैं। नवनियुक्त पदाधिकारियों के स्वागत एवं सम्मान के लिए रविवार, 13 सितंबर को मंडीदीप स्थित सीएलआर स्कूल, दाहोद रोड पर समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश एवं जिले के अनेक स्कूल संचालकों ने शामिल होकर पदाधिकारियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। समारोह में प्रदेश प्रवक्ता संदीप श्रीवास्तव सहित वरिष्ठ स्कूल संचालक जैसवाल, सीएस सिंह, सुनील खबरा, विजय पटेल लोंवांशी और कपिल पाठक मौजूद रहे। इसके अलावा ब्लॉक अध्यक्ष शिवबहरी नागर, नगर अध्यक्ष संजय मरगदे, नगर उपाध्यक्ष राकेश सिंह, नगर उपाध्यक्ष हेमा शर्मा और कोषाध्यक्ष उदम सिंह सहित अब्दुल्लागंज एवं मंडीदीप क्षेत्र के कई स्कूल संचालकों ने सहभागिता की। संगठन के संरक्षक एसपी जैसवाल ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए संगठन को मजबूत बनाने और शिक्षा जगत के हित में एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। उपस्थित संचालकों ने तीनों पदाधिकारियों को मिली जिम्मेदारी को पूरे जिले के लिए गौरव का विषय बताया। साथ ही स्कूल संचालकों की समस्याओं और शिक्षा से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाने का संकल्प लिया।

आज घर-घर, पंडालों में विराजेंगे गणपति बप्पा, 12 दिन तक चलेगा गणेशोत्सव

माता-पिता की परिक्रमा कर गणेशजी ने दिया संदेश, उनके चरणों में ही ब्रह्मांड

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

प्रथम पूज्य भगवान श्रीगणेश की आराधना का पर्व गणेश चतुर्थी सोमवार को श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। नगर में घरों से लेकर सार्वजनिक पंडालों तक गणपति बप्पा के स्वागत की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। आकर्षक विद्युत सजावट और फूलों से पंडालों को सजाया गया है, वहीं घरों में भी बप्पा के लिए विशेष दरबार तैयार किए गए हैं। बाजार में गणेश प्रतिमाओं की खरीदारी के लिए रविवार को ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए मिट्टी से बनी प्रतिमाओं की मांग अधिक रही।

इस बार तेंदूखेड़ा में 12 दिनों तक गणेशोत्सव की धूम रहेगी। बच्चों से लेकर युवाओं और बुजुर्गों तक सभी में उत्साह नजर आ रहा है। युवा घरों में विधि-विधान से गणपति की स्थापना कर नियमित पूजा-अर्चना करेंगे। कई परिवार पर्यावरण संरक्षण के लिए घर पर ही प्रतिमा का विसर्जन करने की तैयारी में हैं। युवाओं का कहना है कि भगवान गणेश केवल विघ्नहर्ता और बुद्धि के देवता ही नहीं, बल्कि जीवन जीने की सीख देने वाले भी हैं। भगवान गणेश द्वारा माता-पिता शिव-पार्वती की परिक्रमा करने की कथा यह संदेश देती है कि माता-पिता के चरणों में ही संपूर्ण संसार का भाव निहित है।

वीरु यादव कहते हैं कि भगवान गणेश बुद्धि एवं विवेक के देवता हैं। सभी देवों में प्रथम पूज्य हैं गणेशजी का प्रत्येक अंग ज्ञान की पाठशाला है। बड़ा मस्तक बड़ी सोच को बनाए रखने का ज्ञान देता है। लम्बे कान सुनते सभी की है लेकिन अपनी बुद्धि से निर्णय लेते हैं जीवन जीने की कला श्रीगणेश से सीखने को मिलती है

वर्षा चक्रवर्ती कहती है कि भगवान श्री गणेश को हम आराध्य देव एवं प्रथम पूज्य देव मानते हैं भगवान श्री गणेश का बड़ा मस्तिष्क नेतृत्व करने वाला छोटी आंख चिंतन शील प्रकृति सूप जैसे लंबे कान चौकन्ना रहने का संकेत, र सूंड सक्रिय रहने बड़ा उदर खुशहाली का प्रतीक व दंत बुद्धिमत्ता का परिचय देता है

शिवानी रजक कहती है कि सब देवों में प्रथम आराध्य गजानंद भगवान के सभी मुरीद है विघ्नहर्ता श्रीगणेश शुभ बुद्धि और सुख समृद्धि के देवता है मान्यता है कि श्री गणेश का जहां वास होता है वहां रिद्धि सिद्धि और शुभ लाभ भी रहते हैं भगवान गणेश से हमें धैर्य और संयम रखने की प्रेरणा मिलती है जो कि जीवन की हर परिस्थिति में महत्वपूर्ण है इनसे हमें आने वाली हर चुनौती के लिए तैयार रहने की सीख मिलती है

विशाल केवट कहते हैं कि भगवान गणेश प्रथम पूज्य हैं एवं विघ्न विनाशक है। गणेशजी से हमें माता पिता की आज्ञा पालन एवं माता पिता के सेवा की प्रेरणा मिलती है। गणेश महाराज से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमारे पास कितनी भी शक्ति आ जाए उसका कभी भी गलत उपयोग नहीं करना चाहिए। भगवान गणेश बुद्धि और सुख के दाता है तथा विघ्न को हरने वाले है।

रुपाली केवट कहती है कि भगवान गणपति सुख समृद्धि एवं सिद्धि के देवता हैं। श्री गणेश की लोकप्रियता उनके सरल स्वभाव के कारण है। भक्त के द्वारा पूजा में कोई त्रुटि भी हो जाए तो भगवान नाराज नहीं होते हैं अपितु भक्तों को क्षमा कर देते हैं। गणेश चतुर्थी से इस बार पूरे 12 दिनों तक विशेष पूजन अर्चन करेंगे गणेशोत्सव की तैयारियां हो चुकी है आज बप्पा को घर में विधि विधान से विराजमान किया जाएगा।

हरतालिका तीज, गणेश उत्सव की आज रहेगी धूम घर-घर विराजेंगे गणपति

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर में सोमवार को हरतालिका तीज और गणेश उत्सव का पर्व श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया जाएगा। दोनों पर्व एक साथ होने से शहर का माहौल भक्तिमय हो गया है। गणेश उत्सव को लेकर घर-घर भगवान श्री गणेश की प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी, वहीं महिलाएं और युवतियां हरतालिका तीज का निर्जला व्रत रखकर भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा-अर्चना करेंगी।

गणेश उत्सव के लिए सार्वजनिक समितियों ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। रविवार और सोमवार को श्रद्धालु अपनी पसंद के अनुसार छोटी-बड़ी गणेश प्रतिमाएं खरीदकर घर ले जाते नजर आए। घरों के साथ विभिन्न स्थानों पर गणेश पंडालों को आकर्षक ढंग से सजाया जा रहा है। करीब दस दिन चलने वाले उत्सव में धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इधर, सोमवार को हरतालिका तीज का पर्व भी मनाया जाएगा। भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाने वाला यह पर्व महिलाओं के लिए विशेष महत्व रखता है। सुहागिन महिलाएं पति की लंबी आयु और अखंड सौभाग्य की कामना से निर्जला व्रत रखेंगी, जबकि अविवाहित युवतियां मनपसंद एवं योग्य वर की कामना से व्रत करेंगी।

सोलह श्रृंगार कर करेंगी शिव-पार्वती का पूजन, बाजार में रही चहल-पहल; मेहंदी और श्रृंगार के लिए ब्यूटी पार्लरों में भी भीड़

सुहाग की लंबी उम्र की कामना में आज निर्जला रहेंगी महिलाएं, तीज पर सजेगा आस्था का रंग

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

सुहाग की लंबी आयु, खुशहाली और अखंड सौभाग्य की कामना को लेकर महिलाएं सोमवार को हरितालिका तीज का निर्जला व्रत रखेंगी। दिनभर व्रत के बाद महिलाएं सोलह श्रृंगार कर भगवान शिव और माता गौरी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करेंगी। तीज को लेकर नगर में रविवार को देर शाम तक बाजारों में चहल-पहल रही। महिलाओं ने पूजा सामग्री के साथ साड़ी, चूड़ियां, मेहंदी और अन्य श्रृंगार सामग्री की जमकर खरीदारी की। नगर के ब्यूटी पार्लरों में भी मेहंदी लगवाने और श्रृंगार कराने के लिए महिलाओं की भीड़ नजर आई। साड़ी केंद्र संचालकों के अनुसार तीज को लेकर महिलाएं खरीदारी के लिए पहुंच रही हैं। वर्तमान चलन को देखते हुए नेट और शिफॉन जैसी साड़ियों की मांग अधिक है। कई महिलाओं ने पर्व की तैयारियां कई दिन पहले ही शुरू कर दी थीं।

तीज को लेकर उत्साहित रहती हूं

पूजा रजक ने बताया कि हर बार तीज को लेकर

उत्साहित रहती हूं मेरे लिए ये सबसे बड़ा त्योहार है। अपने सुहाग की लंबी उम्र और समृद्धि के लिए वह तीज व्रत को विधि विधान के साथ करती है। पति और परिवार की रक्षा के लिए इस व्रत का महत्व बढ़ जाता है। त्योहार को लेकर तैयारियां कर ली है।

सुहाग की रक्षा के लिए रखूंगी व्रत

मुस्कान सोनी ने बताया कि तीज का त्योहार सुहाग की रक्षा के लिए होता है। इसलिए काफी उत्साहित रहती हूं। मैंने खास तीज के लिए मेहंदी लगाई है। पूरी श्रद्धा के साथ मैं तीज का व्रत करूंगी मेरी पूरी तैयारी हो गई है।

मेरे लिए तीज का बड़ा महत्व

ज्योति साहू ने बताया कि मेरे लिए हरितालिका तीज का बड़ा महत्व है पति की लंबी उम्र और समृद्धि के लिए हर वर्ष तीज जरूर करती हूं। शाम में पूरी श्रद्धा के साथ भगवान शिव और मां पार्वती की पूजा करती हूं। पर्व को लेकर तैयारियां कर ली है।

तीज का व्रत है खास

मनीषा पटेल ने बताया कि तीज के व्रत में मेरी पूरी श्रद्धा है। तीज को लेकर मैंने मॉर्केट से खरीदारी कर ली है पूजा-पाठ साग्रमी के साथ ही साड़ी, श्रृंगार सामग्री की खरीदारी की है आज पूरी श्रद्धा के साथ सुहाग की रक्षा के लिए व्रत का पालन करूंगी।

मैंने चार दिन पहले से तैयारी

पूजा सोनी ने बताया कि वह तीज का व्रत दिनभर निर्जला रहकर पति की दीर्घायु और खुशहाली के लिए कामना करेंगी। इसके लिए सोलह श्रृंगार, पूजन सामग्री, कई तरह के फूलों से मंडप सजाकर महादेव और माता पार्वती का पूजन अर्चन करेंगी। तीजा के लिए ड्रेस अप तैयार कर रही हैं, इसके लिए चार दिन पहले से ही तैयारी शुरू कर दी है और काफी उत्साहित हैं।

पति की दीर्घायु के लिए रखूंगी व्रत

जानवी रजक ने बताया कि वह अपने पति की दीर्घायु खुशहाली एवं अच्छे स्वास्थ्य के लिए तीज व्रत रखती है। एक दिन पूर्व रात्रि 12 बजे से उसका निर्जला व्रत हो शुरू जाता है, जो तीजा के दूसरे दिन पूजा करने के उपरांत व्रत तोड़ेंगी।

मेट्रो एंकर

9 से 10 हजार श्रद्धालुओं की मौजूदगी में गूंजा 'नंद के घर आनंद भयो'

कृष्ण जन्मोत्सव में उमड़ा जनसैलाब, जहां जगह मिली वहीं बैठकर श्रद्धालुओं ने सुनी कथा

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर के आचार्य श्री विद्यासागर दयोदय पशु सेवा केंद्र गौशाला में अयोध्यावासी सोनी परिवार के तत्वावधान में चल रही सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन कृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। कथा व्यास एवं गौ पीठाधीश्वर पंडित विपिन बिहारी दास ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्म प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन किया। कथा में करीब 9 से 10 हजार श्रद्धालु पहुंचे। भीड़ का आलम यह रहा कि जहां जगह मिली, लोग वहीं बैठकर कथा सुनते नजर आए।

कथा के दौरान पंडित विपिन बिहारी दास ने 'पैसा और प्रसन्नता' को कथा का सूत्र बताते हुए कहा कि आज लोगों के पास पैसा तो बढ़ रहा है, लेकिन जीवन से प्रसन्नता कम होती जा रही है। उन्होंने कहा कि धन जरूरी है, लेकिन परमात्मा से बढ़कर कुछ नहीं। समस्याओं का सामना धैर्य, तपस्या और भक्ति से किया जा सकता है। भगवान का भजन जीवन में प्रसन्नता लाता है।

उन्होंने कहा कि बेटा-बेटी में भेदभाव नहीं होना चाहिए। बेटियों को शिक्षा के साथ आत्मनिर्भर बनाने और आत्मरक्षा के कौशल सिखाने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि भगवान को बाहरी वस्तुओं से अधिक व्यक्ति का चरित्र प्रिय है, इसलिए अहंकार त्यागकर चरित्रवान बनने का प्रयास करना चाहिए। कृष्ण जन्म प्रसंग आते ही कथा पंडाल 'नंद के घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की' के जयघोष से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने उत्साह के साथ कृष्ण जन्मोत्सव मनाया। पंडित दास ने गौसेवा का महत्व बताते हुए कहा कि गौ माता के नाम पर प्राप्त धन का दुरुपयोग नहीं होना चाहिए। उन्होंने लोगों से ऐसा श्रेष्ठ कार्य करने का आह्वान किया, जिसे दुनिया लंबे समय तक याद रखे। कार्यक्रम में संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी, दमोह विधायक जयंत मलैया, पूर्व मंत्री दशरथ सिंह लोधी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

आबकारी विभाग ने 72 लीटर कच्ची शराब, 1100 किलो लहान किया जब्त

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जिले में अवैध शराब के निर्माण और बिक्री के खिलाफ आबकारी विभाग ने रविवार को बड़ी कार्रवाई की। विभाग की टीम ने पिपरिया वृत्त के रायखेड़ी रोड सहित बनखेड़ी, पलिया पिपरिया, पासी ढाना, कामती और मुर्गी ढाना में दबिश देकर अवैध शराब से जुड़े 8 प्रकरण दर्ज किए। कार्रवाई के दौरान 72 लीटर कच्ची हाथ भट्टी शराब, 1100 किलो लहान और 25 क्वार्टर देशी शराब बरामद की गई। जब्त सामग्री की अनुमानित कीमत 1 लाख 26 हजार रुपए बताई गई है। आबकारी विभाग के अनुसार जब्त लहान का उपयोग अवैध रूप से शराब बनाने में किया जा रहा था। टीम ने मौके पर ही 1100 किलो लहान को नष्ट कर दिया। कार्रवाई मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) के तहत की गई है।

17 सितंबर से एक माह तक नुक्कड़ नाटक से लेकर सेवा संवाद तक होंगे कार्यक्रम

मोदी के 25 साल के सार्वजनिक जीवन पर भाजपा का सेवा संकल्प, 1283 बूथों पर जलेगा दीपक

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर भाजपा जिले में एक माह का सेवा संकल्प अभियान चलाएगी। अभियान के तहत 17 सितंबर की शाम 7 बजे जिले के सभी 1283 बूथों पर प्रत्येक परिवार द्वारा आशीर्वाद का दीपक प्रज्वलित किया जाएगा। रविवार को जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में भोपाल महापौर मालती राय ने अभियान की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि 7 अक्टूबर 2026 को नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे हो रहे हैं। इसी को देखते हुए इस बार नियमित सेवा पखवाड़े के बजाय एक माह तक सेवा संकल्प अभियान चलाने का निर्णय लिया गया है। अभियान के माध्यम से सेवा, सुशासन और विकसित भारत का संदेश लोगों तक पहुंचाया जाएगा। मालती राय ने केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं और उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि गरीब, किसान, महिला, युवा और वंचित वर्गों के लिए कई योजनाएं संचालित की गई हैं। उन्होंने आवास, शौचालय, निःशुल्क राशन और कोविड टीकाकरण सहित विभिन्न कार्यों का जिक्र किया। अभियान के तहत 'नमो सेवा–अनकही कहानियां' के माध्यम से

गांव-गांव नुक्कड़ नाटक और भावनात्मक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। स्कूल, कॉलेज, पंचायत, सामुदायिक केंद्र और सार्वजनिक स्थानों पर कार्यक्रम होंगे। इसके अलावा आंगन मिलन सेवा, सेवा की कहानी, सेवा सेतु अभियान, सेवा के रंग राष्ट्र के संग और सुशासन सेवा संवाद जैसे कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। जिला अध्यक्ष प्रीति शुक्ला ने बताया कि बूथ स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं और अभियान के लिए अलग-अलग टोलियां गठित की गई हैं।

1283 बूथों पर एक साथ जलेगा आशीर्वाद का दीपक

भाजपा के सेवा संकल्प अभियान के तहत 17 सितंबर को जिले में विशेष दीप प्रज्वलन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। शाम 7 बजे जिले के सभी 1283 बूथों पर प्रत्येक परिवार द्वारा आशीर्वाद का दीपक जलाया जाएगा। भाजपा का उद्देश्य इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्ष के सार्वजनिक जीवन की सेवा यात्रा को जनभागीदारी से जोड़ना है। संगठन ने बूथ स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी हैं। कार्यकर्ताओं को परिवारों से संपर्क करने और अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी जा रही है। जिला भाजपा अध्यक्ष प्रीति शुक्ला के अनुसार अभियान में प्रत्येक बूथ और परिवार की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए अलग-अलग टोलियां बनाई गई हैं। दीप प्रज्वलन के माध्यम से सेवा, सुशासन और विकसित भारत के संकल्प का संदेश लोगों तक पहुंचाने की तैयारी है। सेवा संकल्प अभियान के तहत भाजपा विभिन्न रचनात्मक कार्यक्रमों के माध्यम से सरकार की योजनाओं और सेवा कार्यों का संदेश लोगों तक पहुंचाएगी। 'नमो सेवा–अनकही कहानियां' के तहत 15 से 20 मिनट के भावनात्मक और संगीतपूर्ण नाट्य तथा नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए जाएंगे। इनका आयोजन स्कूल, कॉलेज, पंचायत, सामुदायिक केंद्र और सार्वजनिक स्थानों पर किया जाएगा। 2 अक्टूबर को प्रमुख स्थानों पर विशेष कार्यक्रम भी होंगे। इसके अलावा आंगन मिलन सेवा, सेवा की कहानी, वडनगर से वाराणसी सेवा यात्रा, सेवा सेतु अभियान, सेवा के रंग राष्ट्र के संग, सेवा फर्स्ट नवाचार चुनौती और सुशासन सेवा संवाद जैसे कार्यक्रम प्रस्तावित हैं।

योजनाओं से बदलाव को जनता के बीच बताएगी भाजपा

पत्रकार वार्ता में मालती राय ने केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं और उपलब्धियों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि गरीब, किसान, महिला, युवा और वंचित वर्गों के लिए कई योजनाएं लागू की गई हैं। उनके अनुसार 25 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी से बाहर निकालने, 4.5 करोड़ से अधिक परिवारों को प्रधानमंत्री आवास उपलब्ध कराने, 12 करोड़ से अधिक शौचालयों के निर्माण और 80 करोड़ लोगों को निःशुल्क राशन देने जैसे कार्य हुए हैं। कोरोना काल में 200 करोड़ से अधिक निःशुल्क टीके लगाए गए।

सतरस्ता में गश्त के दौरान पुलिस की कार्रवाई बिना अनुमति बज रहा था तेज आवाज में संगीत

तेज आवाज में डीजे बजाना पड़ा भारी, संचालक पर केस वाहन और साउंड सिस्टम जब्त

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

आगामी त्योहारों को देखते हुए पुलिस ने तेज आवाज में डीजे बजाने वालों के खिलाफ सख्ती शुरू कर दी है। सोमवार रात गश्त के दौरान कोतवाली पुलिस ने सतरस्ता के पास मुख्य मार्ग पर तेज आवाज में डीजे बजाते एक वाहन को पकड़ा। जांच के दौरान संचालक वैध अनुमति प्रस्तुत नहीं कर सका। पुलिस ने डीजे वाहन और साउंड सिस्टम जब्त कर संचालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार त्योहारों से पहले आयोजित शांति समिति की बैठक में डीजे संचालकों को निर्धारित ध्वनि स्तर और समय-सीमा का पालन करने की स्पष्ट हिदायत दी गई थी। इसके बावजूद 14 सितंबर की रात डीजे वाहन क्रमांक एमपी 04 वाईपी 0630 से अत्यधिक तेज आवाज में संगीत बजाया जा रहा था। सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और कार्रवाई की। पुलिस ने डीजे संचालक ललित वर्मा (25), पिता कमल किशोर वर्मा, निवासी होंडा शोरूम के पीछे, विक्रम नगर, रसूलिया के खिलाफ कोतवाली थाने में अपराध क्रमांक 858/2026 दर्ज किया है। कार्रवाई मध्यप्रदेश कोलाहल नियंत्रण अधिनियम की धारा 15 के तहत की गई। कार्रवाई एसपी साई कृष्णा थोटा के निर्देशन, एएसपी अभिषेक राजन के मार्गदर्शन, एसडीओपी जितेंद्र पाठक के पर्यवेक्षण और कोतवाली टीआई गौरव सिंह बुंदेला के नेतृत्व में की गई।

न्यूज विंडो

रिश्ता बनाने से इनकार पर छात्रा से मारपीट, वीडियो बनाकर दी धमकी

सतना। जिले में छात्रा के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक छात्र के साथ रिश्ता बनाने से इनकार करने पर उसकी सहेली नाराज हो गई। इसके बाद सहेली ने तीन अन्य युवतियों के साथ मिलकर छात्रा को बहाने से सुनसान स्थान पर बुलाया और उसके साथ मारपीट की। बताया गया कि आरोपित युवतियों ने छात्रा के साथ अभद्र व्यवहार करते हुए उसे जमीन पर गिराया और मारपीट की। घटना के दौरान छात्रा को धमकाते हुए संबंधित छात्र से वीडियो कॉल पर माफी मांगने के लिए भी मजबूर किए जाने का आरोप है। मारपीट की घटना का वीडियो सामने आने के बाद मामला पुलिस तक पहुंचा। कोलगवां थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस वीडियो और घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच कर रही है।

उज्जैन में स्वाइन फ्लू के 14 मरीज पॉजिटिव पाए गए

उज्जैन। जिले में स्वाइन फ्लू के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। अलखनंदा नगर निवासी 75 वर्षीय महिला की फ्लू के कारण मौत हो चुकी है। स्वास्थ्य विभाग ने मृतका के स्वजन व आसपास के रहवासियों की जांच की थी, हालांकि सभी स्वस्थ है। जिले में एक माह में अब तक 14 मरीज पॉजिटिव आ चुके हैं।

बालाघाट-बैहर मार्ग पर तेज रफ्तार बस पलटी, 25 से अधिक यात्री हुए घायल

ओवरटेक के प्रयास में हुआ हादसा, 40 से 45 यात्री थे सवार

सागर/बंडा। दोपहर मेट्रो

बालाघाट। बालाघाट-बैहर मार्ग पर देर शाम तेज रफ्तार यात्री बस के पलटने से बड़ा हादसा हो गया। हादसे में करीब 25 यात्री घायल बताए जा रहे हैं। दुर्घटना रूपझर थाना क्षेत्र में लौंगुर और चिखलाझोड़ी गांव के बीच शाम करीब पौने सात बजे हुई। जानकारी के अनुसार नारायण ट्रेवल्स की बस क्रमांक एमपी 50 जेडएफ 6483 बालाघाट जिला मुख्यालय के बस स्टैंड से सालेटेकरी के लिए रवाना हुई थी। बस में करीब 40 से 45 यात्री सवार थे। बताया जा रहा है कि ओवरटेक करने के प्रयास के दौरान बस अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोगों ने तत्काल घायलों को बस से बाहर निकालने में मदद की। सूचना मिलने पर पुलिस और राहत दल भी मौके पर पहुंचे। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

प्रभात फेरी से गूंजा साक्षरता का संदेश, नवसाक्षरों का हुआ सम्मान

दो असाक्षरों को पढ़ाने पर प्रोजेक्ट गतिविधि में मिलेंगे 10 अंक

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर साक्षरता पखवाड़े के तहत विकासखंड नरसिंहपुर के सामाजिक चेतना केंद्रों में विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं। प्रभात फेरी, नारा लेखन, साक्षरता शपथ, निबंध लेखन, नुक्कड़ नाटक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा के महत्व का संदेश लोगों तक पहुंचाया गया।

सामाजिक चेतना केंद्रों पर नवसाक्षरों और अक्षरसाथियों का सम्मान कर उनके सीखने और सिखाने के प्रयासों को प्रोत्साहित किया गया। साथ ही अंकसूची का वितरण भी किया गया। प्रभात फेरी और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से शिक्षा से वंचित लोगों को

सामाजिक चेतना केंद्रों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया। साक्षरता अभियान को जनभागीदारी से जोड़ने के लिए कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों को 'अक्षरसाथी' बनाया जा रहा है। विद्यार्थियों का एनआईएलपी एप पर पंजीयन कराया जा रहा है। उन्हें अपने आसपास के कम से कम दो असाक्षरों को पढ़ना-लिखना सिखाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इस कार्य को प्रोजेक्ट गतिविधि में शामिल किया गया है।

चूरना-तवा बफर में 31 गाइडों ने सीखी जंगल की नई बारीकियां

इटारसी। दोपहर मेट्रो

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के चूरना एवं तवा बफर क्षेत्र में पर्यटन से जुड़े गाइडों की दक्षता बढ़ाने के लिए 12 और 13 सितंबर को दो दिवसीय रिफ्रेशर प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसमें 31 गाइडों ने भाग लिया। प्रशिक्षण का शुभारंभ बोरी अभयारण्य इटारसी के सहायक संचालक मुकेश जामोर ने किया।

एसटीआर के उपसंचालक एवं जनसंपर्क अधिकारी आशीष खोबरागडे ने बताया कि प्रशिक्षण में सतपुड़ा टाइगर रिजर्व का प्राकृतिक परिदृश्य और संरक्षण इतिहास, वनस्पतियों एवं घासों की पहचान, स्तनधारी और पक्षी विविधता, बाघों का पारिस्थितिकी तंत्र, तितली-मॉथ तथा ड्रैगनफ्लाई और डैमसेलफ्लाई की पहचान की जानकारी दी गई। इसके साथ गाइड-चालक समन्वय, साज-

सज्जा, स्वच्छता, संचार कौशल और प्रभावी गाइडिंग तकनीक पर भी प्रशिक्षण दिया गया। दूसरे दिन फील्ड विजिट के दौरान प्रतिभागियों को वन्यजीवों के पदचिह्न और संकेत पहचानने, पक्षियों की आवाज समझने, पेड़ों की पहचान, प्रकृति व्याख्या और जिम्मेदार वन्यजीव अवलोकन का व्यावहारिक अभ्यास कराया गया। पर्यटक सुरक्षा, आपात स्थिति में प्राथमिक उपचार, अभ्यास आधारित प्रकृति व्याख्या और मूल्यांकन भी प्रशिक्षण का हिस्सा रहे।

'छात्रों की गूंज' की तैयारी में जुटी कांग्रेस, संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर जोर

जिला कांग्रेस की बैठक में नवीन दायित्वों पर चर्चा

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

जिला कांग्रेस कमेटी नरसिंहपुर की महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक मुशरान भवन स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय में अध्यक्ष श्रीमती सुनीता पटेल की अध्यक्षता में हुई। बैठक में संगठन को मजबूत करने, आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों और जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में 19 सितंबर को इंदौर में प्रस्तावित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की गई। जिले से कार्यकर्ताओं की सहभागिता, संगठनात्मक समन्वय और जिम्मेदारियों को लेकर पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनीता पटेल ने

कार्यकर्ताओं से कार्यक्रम की सफलता के लिए पूरी सक्रियता और एकजुटता के साथ जुटने का आह्वान किया। संगठन प्रभारी दीवान शैलेंद्र सिंह ने पदाधिकारियों को उनके नवीन संगठनात्मक दायित्वों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती प्रत्येक पदाधिकारी और कार्यकर्ता की सक्रिय भागीदारी पर निर्भर है। गांव, नगर और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा। बैठक के बाद जिला कांग्रेस मीडिया प्रभारी एवं प्रवक्ता अजय दुबे और प्रवक्ता आशीष गुप्ता ने प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए जिले में कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक व्यवस्थाओं को लेकर असंतोष का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कई क्षेत्रों में अवैध शराब और नशीले पदार्थों की उपलब्धता चिंता का विषय है। कांग्रेस ने नशे के अवैध कारोबार पर प्रभावी कार्रवाई की मांग की। कांग्रेस नेताओं ने नगरीय क्षेत्रों में सफाई, जलभराव, पेयजल, सड़क और अन्य मूलभूत सुविधाओं की स्थिति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इन मुद्दों को लेकर जनता के साथ लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष करेगी।

मेट्रो एंकर श्री गणेश देवस्थानम् में प्रतिदिन अभिषेक-पूजन, हवन और आरती; अनंत चतुर्दशी पर 1020 नामों की आहुति यज्ञ

सिद्धपीठ में गूंजेंगे वैदिक मंत्र, 12 दिन तक होगा गणपति का विशेष अनुष्ठान

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

श्री गणेश देवस्थानम् सिद्धपीठ में गणेश जन्मोत्सव के अवसर पर सनातन वैदिक परंपरा के अनुसार 12 दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किया जाएगा। आयोजन के दौरान प्रतिदिन भगवान गणेश का विधि-विधान से अभिषेक, पूजन, हवन और आरती होगी। आयोजन की व्यवस्थापक श्रीमती रमा पुरोहित ने बताया कि अनुष्ठान में अथर्वशीर्ष, शिव तांडव, रुद्राष्टक और गणेशाष्टक के साथ भगवान विनायक का पावन अभिषेक किया जाएगा। पूजन में गणेश-गौरी, वरुण कलश, दीप कलश, अखंड ज्योति, नवग्रह एवं पृथ्वी पूजन के साथ हवन, आरती, महामंत्र पुष्पांजलि और प्रसाद वितरण होगा। आचार्य पं. कृष्णकांत उदेनिया एवं पं. विनोद मिश्रा यजमानों से अभिषेक-पूजन कराएंगे।

30 साल पहले शुरू हुआ था अनुष्ठान

आयोजन समिति के अनुसार महर्षि वेदव्यास के 'सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः' के पावन उद्देश्य से यह अनुष्ठान करीब 30 वर्ष पहले संस्थापक स्व. पं. कृष्णकुमार पुरोहित ने शुरू कराया था। तभी से धार्मिक परंपरा के रूप में इसका आयोजन किया जा रहा है।

अनंत चतुर्दशी पर 1020 नामों की आहुति

आयोजन के 12वें दिन अनंत चतुर्दशी पर प्रथम पूज्य भगवान गणेश के 1020 नामों की आहुति यज्ञ आयोजित होगा। इसमें धर्मानुरागी श्रद्धालु धोती-कुर्ता पहनकर शामिल हो सकेंगे।

6 से रात 9 बजे तक खुलेगा मंदिर

गणनायक फाउंडेशन ने श्रद्धालुओं से आयोजन में शामिल होने की अपील की है। मंदिर सुबह 6 बजे से रात 9 बजे तक खुला रहेगा। अनुष्ठान के दौरान प्रतिदिन तीन बार आरती होगी। आयोजन समिति के अनुसार भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी पर गणपति आराधना को विशेष फलदायी माना गया है। मंदिर और प्रतिष्ठानों में स्वस्तिक बनाने तथा गणेश प्रतिमा के पूजन से सुख-शांति और समृद्धि की कामना की जाती है।

पुराने स्टेट बैंक भवन पर कथित कब्जे को लेकर उठ रहे सवाल

अमरकंटक। दोपहर मेट्रो

पुराने स्टेट बैंक भवन से जुड़ी जमीन और कथित कब्जे को लेकर सामने आए पुराने दस्तावेजों ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। उपलब्ध दस्तावेजों में जमीन, प्लॉट की सीमाओं, लेन-देन और अन्य संबंधित विवरणों का उल्लेख है, लेकिन इनमें 'साहू जी' के नाम या उनके अधिकार का स्पष्ट उल्लेख दिखाई नहीं देता।

ऐसे में सवाल उठ रहा है कि यदि पुराने दस्तावेजों में 'साहू जी' के नाम अथवा अधिकार का स्पष्ट आधार दर्ज नहीं है, तो पुराने स्टेट बैंक भवन पर उनके कथित कब्जे को किस दस्तावेज या वैधानिक अधिकार के आधार पर मान्यता दी जा रही है। क्या संबंधित अधिकारियों के पास ऐसा कोई पंजीकृत दस्तावेज, राजस्व अभिलेख, नामांतरण आदेश, पट्टा, लीज अथवा अन्य वैधानिक प्रमाण मौजूद है, जिसके आधार पर वर्तमान स्थिति को सही माना जा रहा है? मामले में यह भी सवाल उठ रहा है कि यदि भवन अथवा जमीन पर कब्जा नियम विरुद्ध पाया जाता है तो अब तक शासन-प्रशासन की ओर से प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं की गई। दूसरी ओर, यदि कब्जे को वैध माना जा रहा है तो उसके आधार से जुड़े दस्तावेज सार्वजनिक किए जाने चाहिए।

एशिया कप: पहले सूर्यकुमार, अब हरमनप्रीत कौर...

नकवी के सामने नहीं झुका BCCI, एक साल बाद फिर रिपीट हुई वही कहानी

दुबई, एजेंसी

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को 72 रनों से करारी शिकस्त देकर महिला एशिया कप 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। मैदान पर भारतीय खिलाड़ियों ने दमदार खेल दिखाकर खिताब पर कब्जा जमाया, लेकिन मैच खत्म होने के बाद ऐसा घटनाक्रम हुआ जिसने पूरे क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। चैंपियन बनने के बावजूद भारतीय टीम को पुरस्कार वितरण समारोह में विजेता ट्रॉफी नहीं मिल सकी। ट्रॉफी सौंपने को लेकर भारतीय

क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड और एशियन क्रिकेट परिषद के बीच गतिरोध पैदा हो गया।

रविवार को दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में फाइनल मुकाबला खत्म होने के बाद पुरस्कार वितरण समारोह शुरू होना था। इसी दौरान एशियन क्रिकेट परिषद के मौजूदा अध्यक्ष और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख मोहसिन नकवी स्टेडियम पहुंचे। बताया गया कि नकवी विजेता भारतीय टीम को ट्रॉफी अपने हाथों से सौंपना चाहते थे। हालांकि, भारतीय पक्ष इसके लिए तैयार नहीं हुआ। इसके बाद पुरस्कार वितरण समारोह में देरी हो गई और काफी देर तक पर्दे के पीछे दोनों पक्षों के बीच बातचीत चलती रही। भारतीय पक्ष ने एशियन क्रिकेट परिषद के उपाध्यक्ष खालिद अल जरूनी के हाथों ट्रॉफी दिलाने का विकल्प सुझाया, लेकिन इस प्रस्ताव पर भी सहमति नहीं बन सकी।

भारत ने साफ किया रुख, मंच से बनाई दूरी

आखिरकार पुरस्कार वितरण समारोह में मोहसिन नकवी ने श्रीलंकाई टीम को उपविजेता का चेक सौंपा। उनके साथ खालिद अल जरूनी, श्रीलंका क्रिकेट परिवर्तन समिति के प्रमुख एरान विक्रमरत्ने, अमीरात क्रिकेट बोर्ड के महासचिव मुबाशिर उस्मानी और मुख्य प्रायोजक की प्रतिनिधि मंच पर मौजूद थीं। दूसरी ओर भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड के सचिव देवजीत सैकिया और उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला स्टेडियम में मौजूद थे, लेकिन उन्होंने मंच साझा नहीं किया। दोनों अधिकारियों ने मैदान पर भारतीय खिलाड़ियों से मुलाकात की। इसके बाद पुरस्कार वितरण समारोह भारतीय टीम को विजेता ट्रॉफी और पदक दिए बिना ही समाप्त हो गया।

एक साल बाद फिर वही कहानी, बदला सिर्फ मंच

इस पूरे विवाद ने पिछले साल के पुरुष एशिया कप फाइनल की यादें ताजा कर दीं। सितंबर 2025 में भी दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में भारत और पाकिस्तान के बीच खिताबी मुकाबले के बाद ट्रॉफी को लेकर इसी तरह का विवाद सामने आया था। उस मुकाबले में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने पाकिस्तान को हराकर खिताब जीता था। तब भी मोहसिन नकवी एशियन क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष थे और भारतीय टीम ने उनके हाथों ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। अब करीब एक साल बाद महिला एशिया कप में भी लगभग वैसा ही घटनाक्रम देखने को मिला। अंतर सिर्फ इतना रहा कि इस बार मैदान पर भारतीय महिला टीम चैंपियन बनी और ट्रॉफी वितरण का विवाद फिर सुर्खियों में आ गया।

मजूमदार बोले- टीम को अपनी जीत पर गर्व

भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार से जब पुरस्कार समारोह में हुए घटनाक्रम को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने साफ किया कि टीम भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड के रुख के साथ है। मजूमदार ने कहा कि भारत के लिए टूर्नामेंट खत्म हो चुका है और टीम इस बात को लेकर गर्व महसूस कर रही है कि उसने एशिया कप जीता है। उन्होंने यह भी कहा कि स्टेडियम की बड़ी स्क्रीन पर भारत को चैंपियन के रूप में दिखाया गया था। मुख्य कोच ने साफ संकेत दिया कि ट्रॉफी समारोह में क्या हुआ, इससे टीम की उपलब्धि पर कोई असर नहीं पड़ता। खिलाड़ियों का ध्यान अब अगले बड़े लक्ष्य पर है।

बिन ट्रॉफी फिर एशिया कप विजेता

दुबई क्रिकेट स्टेडियम में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए एकतरफा अंदाज में श्रीलंका को 72 रन से हराकर महिला एशिया कप 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया।पूरे टूर्नामेंट अजेय रहते हुए भारतीय छोरियों ने खिताबी भिड़ंत जीतकर आठवीं बार एशिया कप का खिताब अपने नाम कर लिया।10 बार फाइनल में पहुंचकर आठ खिताब जीतने वाली महिला भारतीय टीम एशिया कप के इतिहास की सबसे सफल टीम बन गई है। वैसे प्रारूप वनडे हो या टी20 इस टूर्नामेंट के हर प्रारूप में वुमेन इन ब्लू हमेशा खिताबी मुकाबले तक पहुंची है।अब तक उसे सिर्फ 2018 और 2024 के फाइनल में हार ही मिली थी।अगर हम एशिया कप 2026 की बात करें तो फिर इस बात में कोई शक नहीं कि चैंपियन टीम इंडिया को कोई भी टीम चुनौती देने में सफल नहीं हुई है।सभी मुकाबलों में भारतीय टीम चैंपियन के दमदार अंदाज में ही नजर आयी है।सही मायने में कोई भी एशियाई टीम इन भारतीय चैंपियन लड़कियों के सामने टिक नहीं सकी है।जिस अंदाज में भारतीय महिला टीम का बोलबाला रहा है उसके बाद एक बात तो बिल्कुल साफ है कि हाल फिलहाल में उपमहाद्वीप में तो इस टीम का मुकाबला कोई भी टीम नहीं कर पा रही है।बल्लेबाजी में जहां भारतीय लड़कियां सभी पर भारी हैं,वहीं इनकी गेंदबाजी के सामने कोई भी टीम टिक नहीं पाता है।मौजूदा एशिया कप में यही बात एक बार फिर उभर कर आयी है।स्मृति मंदाना, शेफाली वर्मा,हरमनप्रीत,ऋचा घोष,दीप्ति शर्मा और श्री चरणी वह चर्चित नाम है जिनके सामने सभी टीम पूरे टूर्नामेंट में नतमस्तक नजर आयी हैं।लेकिन फिर भी इस जीत की चर्चा केवल क्रिकेट तक सीमित नहीं रही। खिताब जीतने के बाद भारतीय महिला टीम ने एशियन क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया। यह वही घटनाक्रम है जिसकी झलक 2025 के पुरुष एशिया कप में भी देखने को मिली थी, जब भारतीय पुरुष टीम ने नकवी से ट्रॉफी स्वीकार नहीं की थी। दिलचस्प बात यह है कि भारतीय टीम को वह ट्रॉफी अब तक नहीं मिली है।अब देखना यह है कि क्या भारतीय महिला टीम को एशिया कप की ट्रॉफी मिल पाती है या मामला जस का तस रहता है। जो भी हो फिर भी सच तो यही है कि मैदान की जीत से हटकर जब भारतीय लड़कियों ने एशिया कप की ट्रॉफी दरकिनार करते हुए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी को आईना दिखाया है।अब एक बार फिर गेंद आईसीसी के पाले में है,क्योंकि अगर कोई भी बड़े टूर्नामेंट का फैसला मैदान में होने के बाद विजेता टीम को ट्रॉफी नहीं मिल पाती है तो इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल यानी आईसीसी इस मसले को कैसे सुलझाता है।इसी वजह से यह देखना रोचक रहेगा कि पिछले 2 साल में लगातार दूसरी बार बिन ट्रॉफी वाला चैंपियन का नया सिलसिला कैसे ओर कब तक चलता है व इसको कैसे निपटाया जाता है।सवाल तमाम है जिसके लिए फिलहाल जवाब का इंतजार रहेगा। मगर क्रिकेट के आईने में यह तस्वीर बिल्कुल साफ है।महिला एशिया कप के इतिहास में भारत सबसे सफल टीम है और 2026 की यह जीत एक बार फिर बता गई कि एशियाई क्रिकेट में भारतीय महिलाओं का दबदबा महज आंकड़ा नहीं, बल्कि लगातार कायम रहने वाली वास्तविकता है। ट्रॉफी भले हाथ में न आई हो, लेकिन चैंपियन का तमगा पूरी शान से भारत के नाम एक बार फिर दर्ज हो गया है

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

पाकिस्तान की टेस्ट टीम संभालने को तैयार माइक हेसन, 0-3 की हार के बाद दिए संकेत

नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तानी टीम के अगले टेस्ट कोच को लेकर न्यूजीलैंड के माइक हेसन का नाम चर्चा में आ गया है. इंग्लैंड के खिलाफ हालिया टेस्ट सीरीज के बीच में रेड बॉल टीम की जिम्मेदारी संभालने वाले हेसन ने संकेत दिया है कि अगर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड उन्हें यह जिम्मेदारी आगे भी देता है, तो वो इसके लिए तैयार हैं.

माइक हेसन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि वह टेस्ट क्रिकेट को काफी पसंद करते हैं और पाकिस्तान के सिस्टम में उन्हें पर्याप्त प्रतिभा नजर आती है. उनके मुताबिक, सही दिशा और मार्गदर्शन मिलने पर पाकिस्तानी टीम में सुधार किया जा सकता है. हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इसके लिए धैर्य की जरूरत होगी और एक-दो मैच में बड़ा बदलाव नहीं

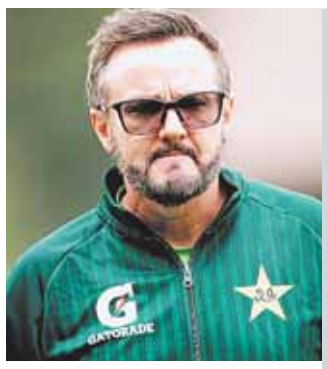

आएगा. लॉर्ड्स टेस्ट में पाकिस्तान की बड़ी हार के बाद पीसीबी ने टीम में व्यापक बदलाव किए थे. सात खिलाड़ियों को रिलीज किया गया और उनकी जगह सात नए खिलाड़ियों को शामिल किया गया. इसके साथ कोचिंग स्टाफ में भी बदलाव हुआ. सरफराज अहमद और उमर गुल को उनकी जिम्मेदारियों से हटा दिया गया.

भविष्य की भूमिका लेकर अंतिम फैसला नहीं

इसी बदलाव के बीच माइक हेसन और बॉलिंग कोच एश्ले नॉफके को इंग्लैंड दौरे के बाकी हिस्से के लिए टेस्ट टीम के साथ जोड़ा गया. हेसन ने साफ किया कि उन्होंने अभी टेस्ट टीम के साथ अपनी भविष्य की भूमिका को लेकर कोई अंतिम फैसला नहीं किया है. फिलहाल उनका ध्यान आगामी एशियन गेम्स पर है. उन्होंने कहा कि एशियन गेम्स से पहले पाकिस्तान के टेस्ट सेटअप को लेकर चर्चा होने की उम्मीद है. इसके बाद ही यह स्पष्ट हो सकता है कि वह रेड बॉल टीम के साथ आगे भी जुड़े रहेंगे या नहीं. टेस्ट टीम की जिम्मेदारी मिलने के बाद हेसन का पहला असाइनमेंट जीत में नहीं बदल सका. बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर इंग्लैंड ने पाकिस्तान को 8 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली.

इवेंट में मेरा ध्यान प्रतियोगी पर नहीं, पदक पर रहता है: गुलवीर सिंह

नई दिल्ली। हाल ही में कॉमनवेल्थ गेम्स में अपनी सफलता से उत्साहित, भारत के टॉप लॉन्ग-डिस्टेंस रनर गुलवीर सिंह ने जापान में होने वाले एशियन गेम्स में मेडल जीतने पर अपनी नजरें टिकाई हैं। उन्होंने बताया कि एक बार जब वह स्टार्टिंग लाइन पर खड़े हो जाते हैं, तो उनका पूरा फोकस प्रतियोगियों के बारे में सोचने के बजाय पदक जीतने पर रहता है। गुलवीर, जो इस साल की शुरुआत में 60 मिनट से कम समय में हाफ मैराथन पूरी करने वाले पहले भारतीय धावक बने, ने माना कि कॉन्टिनेंटल बैश में कॉम्पिटिशन का स्तर मुश्किल होगा, लेकिन उनका फोकस पदक जीतने पर रहेगा। गुलवीर ने बातचीत में कहा, निश्चित रूप से दबावा होगा क्योंकि एशियन गेम्स में उच्च स्तर के एथलीट हिस्सा लेते हैं। कॉमनवेल्थ गेम्स में पदक ने मुझे बहुत आत्मविश्वास दिया।

दिल्ली कैपिटल्स में दिग्गजों की चौकड़ी!

गांगुली संभालेंगे कमान, युवराज सिंह देंगे आक्रामक तेवर वाससे चमकेगी गेंदबाजी

नई दिल्ली, एजेंसी

आईपीएल 2027 से पहले दिल्ली कैपिटल्स अपने कोचिंग ढांचे में बड़ा बदलाव करने की तैयारी में है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अगर प्रस्तावित नियुक्तियां अंतिम रूप लेती हैं तो दिल्ली के ड्रेसिंग रूम में भारतीय और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के चार बड़े सितारे एक साथ नजर आएंगे। पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली, विश्व कप विजेता युवराज सिंह, श्रीलंका के महान तेज गेंदबाज चामिंडा वास और आईपीएल के दिग्गज लेग स्पिनर अमित मिश्रा टीम की नई रणनीति का हिस्सा बन सकते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, सौरव गांगुली मुख्य कोच की जिम्मेदारी संभाल सकते हैं। वह हेमंग बदानी की जगह यह भूमिका निभा सकते हैं। गांगुली की पहचान भारतीय क्रिकेट में आक्रामक कप्तानी, मजबूत रणनीति और युवा खिलाड़ियों को तैयार करने वाले व्यक्तित्व के रूप में रही है। दिल्ली कैपिटल्स के लिए सबसे बड़ी चुनौती पिछले सत्र की निराशा से उबरकर मजबूत टीम तैयार करना होगी। गांगुली के साथ युवराज सिंह के जुड़ने की खबर ने दिल्ली के प्रशंसकों की उम्मीदें बढ़ा दी हैं। भारत के पूर्व धुरंधर ऑलराउंडर सहायक कोच की भूमिका निभा सकते हैं।

अमित मिश्रा संभालेंगे फिरकी का मोर्चा

स्पिन विभाग में भी दिल्ली को अनुभवी हाथ मिलने की संभावना है। आईपीएल के सबसे सफल लेग स्पिनरों में शामिल अमित मिश्रा टीम के शिविर से जुड़ चुके हैं और स्पिन गेंदबाजी कोच की भूमिका निभा सकते हैं। बल्लेबाजों को पढ़ने, परिस्थितियों के अनुसार गेंदबाजी करने और टी20 क्रिकेट की बारीकियों को समझने का उनका लंबा अनुभव युवा स्पिनरों के काम आएगा। अगर ये नियुक्तियां आधिकारिक होती हैं, तो दिल्ली कैपिटल्स के पास ऐसा कोचिंग दल होगा जिसमें कप्तानी की समझ, आक्रामक बल्लेबाजी, तेज गेंदबाजी और स्पिन—चारों क्षेत्रों का जबरदस्त अनुभव मौजूद रहेगा।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

डीप नेकलाइन पर कैमरे, ट्रोलिंग पर तमिल अभिनेत्री ऐश्वर्या बोलीं- संस्कृति कपड़ों पर क्यों?

ऐश्वर्या लक्ष्मी साउथ सिनेमा की जानी-मानी एक्ट्रेस और प्रोड्यूसर हैं। वो मलयालम और तमिल फिल्मों में एक्टिव हैं। कुछ वक्त पहले एक्ट्रेस के रिवीलिंग आउटफिट पर काफी बवाल मचा था। कई लोगों ने उन्हें ट्रोल किया था। कई लोगों ने उनके कपड़ों पर सवाल उठाए थे। अब ऐश्वर्या ने हेटर्स को जवाब दिया है।

हाल ही के एक इंटरव्यू में ऐश्वर्या ने बताया कि वो एक इवेंट में काफी अनकंफर्टेबल महसूस कर रही थीं, क्योंकि फोटोग्राफर्स उनके चेहरे पर फोकस करने के बजाय अजीब एंगल से उनकी तस्वीरें क्लिक कर रहे थे। उन्होंने यह सवाल भी उठाया कि आखिर संस्कृति से जुड़ी बातें सिर्फ महिलाओं के क्लीवेज तक ही क्यों सीमित होकर रह जाती हैं।

रजनी हरिदास संग बातचीत में ऐश्वर्या लक्ष्मी ने कहा- फोटोग्राफर्स मेरे चेहरे पर ध्यान नहीं दे रहे थे। मुझे सच में बहुत अनकंफर्टेबल महसूस हुआ और जब आप असहज महसूस करते हैं, तो आपकी बॉडी लैंग्वेज भी बदल जाती है। मुझे ऐसा लगा जैसे मेरी पर्सनल बाउंड्रीज का उल्लंघन हुआ।

एक्ट्रेस ने कहा कि सोशल मीडिया यूजर्स यह समझ गए थे कि वो अनकंफर्टेबल फील कर रही हैं, लेकिन वो यह नहीं समझ पाए कि वो कपड़ों की वजह से अनकंफर्टेबल नहीं थीं, बल्कि उन्हें ऐसा महसूस इसलिए हुआ था, क्योंकि इवेंट में मौजूद लोगों का बिहेवियर और कैमरे के एंगल आपत्तिजनक थे। ऐश्वर्या लक्ष्मी ने कहा कि लोगों ने उनके आउटफिट पर सवाल उठाए। उन्होंने ट्रोल किया। एक्ट्रेस बोलीं- लोग कह रहे थे वो इतनी अनकंफर्टेबल क्यों हो रही हैं? वो अपनी नेकलाइन क्यों ढक रही हैं? अगर कपड़ों में इतनी अनकंफर्टेबल महसूस हो रही थी, तो ऐसी ड्रेस पहनी ही क्यों?

हेटर्स को एक्ट्रेस ने दिया जवाब

ट्रोल्स को जवाब देते हुए एक्ट्रेस ने कहा- क्या संस्कृति सिर्फ किसी महिला के क्लीवेज या उसके कपड़ों की लंबाई में ही होती है? यह हमारे बिहेवियर और चाल-चलन में भी होनी चाहिए न? उन्होंने आगे कहा- महिलाओं पर अभद्र टिप्पणियां करने वाले लोगों पर कोई रोक-टोक नहीं लगाई जाती, लेकिन एक महिला से हमेशा यही उम्मीद की जाती है कि वो अपने कपड़ों और क्लीवेज को लेकर सावधान रहे। ऐश्वर्या लक्ष्मी ने कहा कि पहले उन्होंने अपनी ट्रोलिंग को हंसकर टाल दिया था। 24 घंटों तक उन्होंने इसे सीरियसली से नहीं लिया था, लेकिन जैसे-जैसे दिन बीतते गए और चर्चा बढ़ती गई, उनका रिएक्शन बदल गया।

बेटे युग के बर्थडे पर काजोल का दिल छू लेने वाला मैसेज, बोलीं- बड़े हो गए हो पर मेरे लिए...

बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल ने अपने बेटे युग के 16वें जन्मदिन पर एक दिल को छू लेने वाला मैसेज शेयर किया, जिसमें उन्होंने बताया कि युग कितनी तेजी से बड़े हो गए और साथ ही यह भी बताया कि वे भविष्य में कैसे इंसान बनेंगे, इसे लेकर उन्हें क्या उम्मीदें हैं। इंस्टाग्राम पर काजोल ने कहा कि उन्हें यकीन ही नहीं हो रहा कि उनका बेटा 16 साल का हो गया है। उन्होंने कहा कि भले ही वह अब लंबे और मजबूत हो गए हैं, लेकिन उन्हें आज भी वही छोटा बच्चा दिखाई देता है जो वह कभी हुआ करते थे।

उन्होंने लिखा, ÷यकीन नहीं होता कि हम इस पड़ाव पर पहुंच गए हैं... यह लगभग यकीन न कर पाने वाला पल है। क्योंकि जब भी मैं तुम्हें देखती हूं, तो मुझे आज भी तुममें वही छोटा बच्चा नजर आता है। और मुझे पता है कि तुम अब लंबे और मजबूत हो गए हो, लेकिन मेरे लिए तो तुम हमेशा वही रहोगे... छोटा वाला तुम और बड़ा वाला तुम, सब एक साथ।÷

कुछ कुछ होता है की एक्ट्रेस ने युग के लिए अपनी उम्मीदें और डर भी जाहिर किए, क्योंकि वह अपनी जिंदगी के एक और अहम पड़ाव में कदम रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी सबसे बड़ी इच्छा यही है कि वह

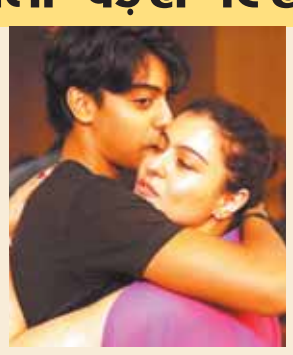

एक अच्छे इंसान बनें जो जिंदगी की चुनौतियों का सामना हिम्मत, शालीनता और दयालुता के साथ कर सकें। उन्होंने आगे कहा, ÷आज मैं तुम्हारे लिए बहुत सी कामनाएं करती हूं... मुझे कुछ डर भी हैं, लेकिन ज्यादातर उम्मीदें हैं कि तुम एक अच्छे इंसान बनोगे। ऐसा इंसान जो जिंदगी की हर चुनौती का सामना हिम्मत, शालीनता और सबसे जरूरी बात, दयालुता के साथ करे। खुद के प्रति भी और दुनिया के प्रति भी।÷ काजोल ने इस भावुक नोट को खत्म करते हुए युग का हौसला बढ़ाया कि वह निडर होकर जिंदगी जिएं और हर मौके का भरपूर फायदा उठाएं।

मध्य पूर्व में तनाव असर!

एफपीआई ने सितंबर में अब तक 14,474 करोड़ की बिकवाली की

मेट्रो बाजार

मुंबई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की ओर से इस महीने अब तक (1-12 सितंबर तक) 14,474 करोड़ रुपए इक्विटी मार्केट से निकाले गए हैं। इससे पहले जुलाई और अगस्त में सकारात्मक इनफ्लो दर्ज किया गया था। वहीं, प्राइमरी मार्केट (आईपीओ) में एफपीआई निवेश अब तक सकारात्मक 1,336 करोड़ रुपए पर बना हुआ है, जिससे इस साल प्राइमरी मार्केट में कुल एफपीआई निवेश बढ़कर 47,183 करोड़ रुपए हो गया है। इस बीच, पूरे हफ्ते भारतीय इक्विटी बाजार पर काफी दबाव बना रहा और निफ्टी 50 में लगातार पांचवें हफ्ते गिरावट दर्ज की गई।

मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई और महंगाई, ग्लोबल ब्याज दरों और आर्थिक विकास को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। इस कारण बाजार में बड़े पैमाने पर बिकवाली हुई और हफ्ते के दौरान प्रमुख सेक्टर गिरावट के साथ बंद हुए।

मार्केट के जानकारों का कहना है कि घरेलू इक्विटी के लिए कच्चे तेल की कीमतें एक बड़ी चुनौती बनकर उभरी हैं। विदेशी संस्थागत निवेशकों के सतर्क बने रहे और उनकी लगातार बिकवाली घरेलू इक्विटी के लिए एक बड़ी बाधा बन रही है। इसके उलट, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने पिछले हफ्ते 6,419.46 करोड़ रुपए की शुद्ध खरीदारी की, जिससे विदेशी बिकवाली के असर को कम करने और घरेलू इक्विटी मार्केट में और गिरावट को रोकने में मदद मिली।

टेस्ला लंबी देरी के बाद एक अक्टूबर को अगली पीढ़ी की रोडस्टर करेगी लॉन्च

मुंबई। इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाली कंपनी टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने घोषणा की कि कंपनी लंबी देरी के बाद एक अक्टूबर को रोडस्टर लॉन्च करेगी। टेस्ला रोडस्टर की पहली जनरेशन को करीब एक दशक पहले बाजार में उतारा गया था। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर टेस्ला ने एक पोस्ट में कहा, गो फॉर लॉन्च, साथ ही इसमें एक पोस्टर भी था, जिसमें इसकी तारीख एक अक्टूबर दी गई थी। इस पोस्ट के रिप्लाई में मस्क ने कहा, नई टेस्ला रोडस्टर 10.01 को लॉन्च की जाएगी।

इससे पहले कुछ रिपोर्ट्स में अगस्त में दावा किया गया था कि टेस्ला नए डिजाइन वाली रोडस्टर को जल्द ही लॉन्च करने की योजना बना रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस इवेंट में स्पेसएक्स के साथ मिलकर बनाए गए कोल्ड-गैस थ्रस्टर्स वाले लिमिटेड-एडिशन वर्जन का डेमो दिखाया जा सकता है।

टेस्ला ने सबसे पहले 2017 में अगली पीढ़ी की रोडस्टर लाने का ऐलान किया था और कहा था कि इसकी डिलीवरी 2020 में शुरू हो जाएगी, लेकिन इस प्रोग्राम में बार-बार देरी हुई है। यह कदम टेस्ला द्वारा पिछले हफ्ते ऑस्टिन, टेक्सास के कुछ इलाकों में अपनी दो-सीटर साइबरकैब में राइड्स की सुविधा शुरू करने के बाद उठाया गया है। इस साइबरकैब में न तो स्टीयरिंग व्हील है और न ही पैडल। मस्क ने इस गाड़ी को टेस्ला को ड्राइवरलेस गाड़ियों के क्षेत्र में एक बड़ी ताकत बनाने के लिए अहम बताया है। खबरों के मुताबिक, नई रोडस्टर अब एक आम हाई-परफॉर्मेंस ईवी से बदलकर पूरी तरह से नई कार्बन-फाइबर हाइपरकार बन गई है। नई रोडस्टर के लॉन्च से पहले टेस्ला के शेयर में तेजी देखी गई। बीते एक महीने में टेस्ला ने 7 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न दिया है। हालांकि, सालाना आधार पर इसमें करीब 10 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है।

देशभर में गणेश उत्सव शुरू: हैदराबाद में 72 फीट ऊंची प्रतिमा

» इंदौर में 3 टन मिट्टी से बने बप्पा, लालबाग के राजा में श्रद्धालुओं की भीड़

मुंबई/जयपुर/इंदौर। देशभर में आज से गणेश महोत्सव शुरू हो गया है। इंदौर के तिलक नगर में 3 टन मिट्टी से 14 फीट ऊंची गणेश प्रतिमा विराजित की गई है। प्रतिमा और पूरे पंडाल को प्रकृति-पशु कल्याण का संदेश देने के रूप में सजाया गया है। हैदराबाद के खैरताबाद में 72 फीट ऊंची प्रतिमा लाई गई है। वहीं, उप्पुगुडा में विकसित भारत 2047 की थीम पर पंडाल और गणेश प्रतिमा बनाई गई है। मुंबई के प्रसिद्ध लालबाग के राजा का पंडाल और बप्पा की प्रतिमा शिव की थीम पर आधारित है, जिसके केंद्र में एक विशाल त्रिशूल भी सजाया गया है। मंडल के अनुसार यह उसका 93वां गणेशोत्सव है। दर्शनों के लिए श्रद्धालु लंबी लाइन लगाकर खड़े हैं। जयपुर के मोती डूंगरी गणेश मंदिर में सिंजारा महोत्सव और जन्मोत्सव पर विशेष दर्शन व्यवस्था की गई है। यहां श्रद्धालु सुबह 5 बजे से रात 11:40 बजे तक दर्शन कर सकेंगे।

हिंदी किसी भाषा की प्रतिद्वंद्वी नहीं...हिंदी दिवस पर शाह बोले-

दुनिया की भाषाएं सीखें, लेकिन मातृभाषा को कभी न छोड़ें

नई दिल्ली, एजेंसी

हिंदी दिवस के अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने भारत की भाषाई विविधता और सांस्कृतिक समृद्धि का उल्लेख करते हुए कहा कि देश में बोली जाने वाली अलग-अलग भाषाएं किसी कमजोरी का संकेत नहीं, बल्कि भारत की सबसे बड़ी ताकत हैं।अमित शाह ने कहा कि हर भाषा अपने साथ इतिहास, लोक परंपराएं और दुनिया को देखने का अलग नजरिया लेकर चलती है। ये सभी मिलकर नई पीढ़ी के मूल्यों को आकार देती हैं। उनके मुताबिक, भारत में मौजूद भाषाई विविधता ही देश की 'विविधता में एकता' की भावना को और मजबूत करती है।

गृह मंत्री ने कहा कि हिंदी का उद्देश्य दूसरी भारतीय भाषाओं से प्रतिस्पर्धा करना नहीं है। इसके बजाय हिंदी देश की अलग-अलग भाषाओं के बीच सार्थक संवाद को बढ़ावा देने और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने वाली महत्वपूर्ण कड़ी के तौर पर काम करती है। उन्होंने कहा कि भारत का इतिहास इस बात का प्रमाण है कि अलग-अलग मातृभाषाओं से जुड़े लोगों ने हिंदी को व्यापक संवाद की भाषा बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

बच्चों से अपनी मातृभाषा में बात करें

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने युवाओं से दुनिया की ज्यादा से ज्यादा भाषाएं सीखने, लेकिन अपनी मातृभाषा को न छोड़ने की अपील की। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों से अपनी मातृभाषा में बात करने को कहा। शाह ने कहा कि अपनी भाषा बोलने में किसी को हीन भावना नहीं रखनी चाहिए, क्योंकि भाषा हमें मां, मिट्टी, इतिहास और संस्कृति से जोड़ती है। उन्होंने बताया कि 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के 'औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्ति' के आह्वान में भाषा की अहम भूमिका है। उन्होंने राजपथ का नाम कर्तव्य पथ करने और नए कानूनों को आत्मसम्मान से जोड़ा।

'मेरी मातृभाषा गुजराती, लेकिन हिंदी जोड़ती है आम लोगों से'

अमित शाह ने अपनी मातृभाषा का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी मातृभाषा गुजराती है। इसके बावजूद जब वह देश के किसी भी हिस्से में जाते हैं, तो आम लोगों से सीधे जुड़ने में हिंदी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद भारतीय भाषाओं ने राष्ट्र निर्माण, प्रशासन और विकास को आम लोगों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके मुताबिक, हिंदी समेत सभी भारतीय भाषाओं ने जनजागरण, राष्ट्रीय एकता और स्वतंत्रता के आदर्शों को आगे बढ़ाने में योगदान दिया है। गृह मंत्री ने कहा कि भारतीय भाषाओं को सम्मान देना केवल भाषा का विषय नहीं है, बल्कि यह देश की संस्कृति, इतिहास और आत्मगौरव से जुड़ा हुआ मुद्दा है।

दयानंद सरस्वती का दिया उदाहरण

अमित शाह ने स्वामी दयानंद सरस्वती का उदाहरण देते हुए कहा कि उनकी मातृभाषा गुजराती थी, लेकिन उन्होंने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'सत्यार्थ प्रकाश' हिंदी में लिखी। उनके मुताबिक, यह इस बात का उदाहरण है कि हिंदी का विकास केवल हिंदी मातृभाषा वाले लोगों के योगदान से नहीं हुआ।गृह मंत्री ने महात्मा गांधी के योगदान का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि गांधी ने वर्ष 1918 में मद्रास में दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा की स्थापना की थी। इसका उद्देश्य दक्षिण भारत में हिंदी के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देना था।अमित शाह ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस का भी उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि नेताजी की मातृभाषा बंगाली थी, लेकिन उन्होंने आजाद हिंद फौज में संवाद के लिए हिंदी को अपनाया और देश को 'जय हिंद' जैसा नारा दिया।

दिल्ली में ड्रग सिंडिकेट, 8 तस्कर गिरफ्तार ; करोड़ों की स्मैक और नकदी जब्त

दक्षिणी दिल्ली. एजेंसी। दक्षिणी पूर्वी जिले में ड्रग तस्करी के खिलाफ पुलिस का अभियान जारी है। पुलिस ने बड़े ड्रग सिंडिकेट का पर्दाफाश करते हुए आठ तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 1.383 किलोग्राम स्मैक बरामद की है। इसके साथ ही 3.71 करोड़ रुपए से ज्यादा की नकदी भी बरामद हुई है। दक्षिणी पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त विनीत कुमार ने यह जानकारी देते हुए बताया कि आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। और भी खुलासे हो सकते हैं।

गुरुग्राम में हिट एंड रन: महिला राइडर को कार ने मारी टक्कर, सड़क पर घिसटती गई बाइक

गुरुग्राम, एजेंसी

गुरुग्राम में एक महिला बाइकर के साथ हिट एंड रन का मामला सामने आया है। रविवार को गोल्फ कोर्स रोड पर एक कार ने महिला बाइकर की स्पोर्ट्स बाइक को टक्कर मार दी, जिससे वह बाइक से गिर गई और बाइक कई मीटर तक सड़क पर घिसटती चली गई। टक्कर मारने के बाद कार सवार मौके से फरार हो गए। बाइक सवार युवती की पहचान सिया के रूप में हुई है। सड़क पर गिरने से उन्हें चोटें भी आईं। सिया ने इसकी जानकारी अपने इंस्टग्राम प्रोफाइल पर साझा की है।

सिया के अनुसार, वह रविवार को अप्रिलिया आरएस 457 स्पोर्ट्स बाइक पर अपने बाइकिंग ग्रुप के साथ गोल्फ कोर्स रोड पर राइड कर रही थीं।

आरोप है कि राइड शुरू होने से ही एक कार में सवार लोग पीछा कर रहे थे। सिया ने कहा कि कार उनके करीब आई और उसमें बैठे लोगों ने बदतमीजी शुरू कर दी। कार सवार नशे में लग रहे थे। कुछ देर बाद ही कार ने ओवरटेक कर उनकी बाइक को साइड से टक्कर मार दी। पुलिस का कहना है, सिया ने कार का नंबर एचआर30वाई4949 शेयर किया है। यह मनीष के नाम से है। जांच की जा रही है।

मिस्टर मुनीर, यू आर फायर्ड.. ईरानी पत्रकार ने पाक को लताड़ा मोदी को बताया असली किंग

नई दिल्ली/इस्लामाबाद. एजेंसी। मिडिल ईस्ट से लेकर ब्रिक्स तक कूटनीति का पूरा सीन ही बदल चुका है। नई दिल्ली समिट में ईरानी पत्रकार बसीम लालेह ने न्यूज एजेंसी एएनआई पर आकर ऐसा बयान दिया कि सीधे इस्लामाबाद तक सन्नाटा छा गया। उन्होंने बिना किसी झिझक के पाकिस्तानी आर्मी चीफ को नेशनल टीवी पर लपेटते हुए कह दिया, 'मिस्टर मुनीर, यू आर फायर्ड।' भाई साहब, पाकिस्तान जिस स्ट्रेट ऑफ होर्मुज और ग्लोबल पीस का मसीहा बनने का नाटक करता था, उसकी पोल खुल चुकी है। ईरान से लेकर अबू धाबी तक सब समझ चुके हैं कि पाकिस्तान सिर्फ बातें बनाता है। असली गेम-चेंजर अपने पीएम मोदी हैं। ब्रिक्स की कप्तानी और भारत का स्ट्रैटेजिक जलवा देखकर दुनिया मान चुकी है कि अब शांति और सुरक्षा का रिमोट कंट्रोल भारत के हाथ में है। पाकिस्तान पूरी तरह आउट ऑफ द सीन हो चुका है।

मुनीर की छुट्टी और पाकिस्तान का गेम ओवर

पाकिस्तान की हमेशा से यह रणनीति रही है कि वह मिडिल ईस्ट, विशेष रूप से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज और खाड़ी क्षेत्र में खुद को एक सुरक्षा देने वाले साझेदार के रूप में बेचे। लेकिन ईरानी पत्रकार के मुताबिक, पाकिस्तान वैश्विक शांति और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की सुरक्षा बनाए रखने में पूरी तरह विफल रहा है। आसिम मुनीर की नीतियों को खाड़ी देश और ईरान अब अस्थिरता का कारण मानते हैं। यू आर फायर्ड का सीधा मतलब है कि मिडिल ईस्ट के प्रमुख देश अब पाकिस्तान के खोखले वादों और सैन्य दखलअंदाजी को पूरी तरह खारिज कर चुके हैं। पाकिस्तान का न तो अर्थव्यवस्था पर नियंत्रण है और न वह क्षेत्रीय शांति में योगदान देने की स्थिति में है।

ब्रिक्स और खाड़ी में भारत की कमांडिंग एंट्री

ईरानी पत्रकार लालेह ने कहा, अब मिस्टर मोदी ने पाकिस्तान को रिप्लेस कर दिया है। भारत की विदेश नीति का यह सबसे बड़ा मास्टरस्ट्रोक है। ईरान के राष्ट्रपति मसऊद पजेशकियान और अबू धाबी के क्राउन प्रिंस के बीच हालिया बातचीत यह दर्शाती है कि मिडिल ईस्ट में अब एक नई कूटनीतिक व्यवस्था बन रही है। इस व्यवस्था में पाकिस्तान की कोई जगह नहीं है।

ब्रिटेन में काशी-हरिद्वार जैसा नजारा, लंदन की थेम्स नदी के किनारे पहली बार गंगा आरती

लंदन, एजेंसी

लंदन में रविवार को टेम्स नदी के किनारे पहली बार गंगा आरती हुई। यह रोशनी और आभार व्यक्त करने का एक समारोह था, जिसमें हजारों लोग शामिल हुए। चिन्मय मिशन यूके ने सालाना टोटली थेम्स फेस्टिवल के साथ मिलकर थेम्स पर गंगा आरतीः रोशनी का समारोह का आयोजन किया। यह कार्यक्रम संस्था के 75 साल पूरे होने के वैश्विक जश्न का हिस्सा था। भारत में गंगा किनारे होने वाली आरती की भावना को दोहराते हुए लंदन में किया गया। चिन्मय मिशन यूके की रेजिडेंट टीचर ब्रह्मचारिणी श्रीप्रिया चैतन्य ने कहा, 'पीढ़ियों से समुदाय गंगा के किनारे इकट्ठा होकर नदी, प्रकृति और जीवन को बनाए रखने वाली हर चीज के प्रति आभार व्यक्त करते हुए रोशनी अर्पित करते रहे हैं।'

कहा, 'थेम्स पर होने वाली गंगा आरती भी उसी भावना को आगे बढ़ाती है और लोगों को आभार, उम्मीद और एकता के साझा पल में एक साथ लाती है।' चिन्मय मिशन के लिए गंगा नदी ज्ञान के प्रवाह का भी प्रतीक है। 'हमारे संस्थापक स्वामी चिन्मयानंद ने अपना जीवन वेदांत के शाश्वत ज्ञान को हिमालय से लोगों के रोजमर्रा के जीवन तक पहुंचाने में समर्पित कर दिया। यह कार्यक्रम उस विरासत का भी जश्न है।

बंगाल: 5 साल बाद कब्र से निकाला संदेशखाली हिंसा में मारे गए भाजपा कार्यकर्ता का शव, फिर से जांच

कोलकाता, एजेंसी। उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली में 2021 की चुनाव बाद हिंसा में कथित तौर पर मारे गए भाजपा कार्यकर्ता आस्तिक चंद्र दास के कंकाल के अवशेष 5 साल बाद कब्र से निकाले गए। कोर्ट के आदेश पर मजिस्ट्रेट और परिवार के सदस्यों की मौजूदगी में शव को निकाला गया। अवशेषों को पोस्टमार्टम और फोरेंसिक जांच के लिए भेजा।

पुलिस के अनुसार, झांझनिया गांव के आस्तिक चंद्र दास पर 2021 के विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के दिन तृणमूल कांग्रेस समर्थकों के विजय जुलूस

के दौरान हमला करने का आरोप है। उनके बेटे सुब्रत दास का दावा है कि हमले में आस्तिक गंभीर रूप से घायल हुए थे। परिवार उन्हें बेहतर इलाज के लिए अस्पताल नहीं ले जा सका, घर पर ही मौत हो गई। परिवार का आरोप है कि पुलिसकर्मियों की तैनाती उनके घर के बाहर कर दी गई थी और उन्हें बिना पोस्टमार्टम के शव दफनाने कोए मजबूर किया गया।

मेट्रो एंकर

अमेरिकी अर्थशास्त्री जेफ्री सैक्स की भविष्यवाणी...

यूएस वर्चस्व की उल्टी गिनती...भारत अगली ताकत!

नई दिल्ली, एजेंसी

दुनिया की राजनीति और अर्थव्यवस्था में अब सिर्फ अमेरिका के फैसलों का असर नहीं पड़ता। चीन की आर्थिक ताकत, भारत की तेज ग्रोथ और रूस की रणनीतिक ताकत ने दुनिया को एक से ज्यादा पावर सेंटर वाली दिशा में धकेल दिया है। इसी बदलाव को लेकर अमेरिकी अर्थशास्त्री जेफ्री सैक्स ने भारत और चीन की भूमिका को अहम बताया है। वे कहते हैं, यदि दोनों देश अपने मतभेदों के बावजूद आर्थिक और रणनीतिक सहयोग बढ़ाते हैं तो दुनिया का पावर बैलेंस और तेजी से बदल सकता है।

सैक्स के मुताबिक, भारत और चीन का साथ आना सिर्फ दोनों देशों के लिए फायदेमंद नहीं होगा, बल्कि इससे दुनिया में किसी एक देश के दबदबे को चुनौती मिलेगी। उनका मानना है कि चीन के लिए भी भारत की आर्थिक सफलता फायदेमंद है, क्योंकि मजबूत भारत दुनिया को एक ही शक्ति पर निर्भर रहने से बाहर निकालने में मदद करेगा।

भारत और चीन क्यों हैं इतने अहम

सैक्स ने भारत-चीन रिश्ते को दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण द्विपक्षीय संबंध बताया है। दोनों देशों के बीच सीमा विवाद और दूसरे मतभेद हैं, लेकिन व्यापार, टेक्नोलॉजी, सप्लाई चेन, निवेश के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाया जा सकता है। अगर ऐसा होता है तो भारत को दुनिया की बड़ी सप्लाई चेन का हिस्सा बनने, चीन से निवेश, टेक्नोलॉजी हासिल करने और उत्पादन को बढ़ाने में मदद मिल सकती है। इसका असर भारत की ग्रोथ पर पड़ सकता है।

25 साल में टॉप 2 अर्थव्यवस्थाएं

सैक्स का अनुमान है कि अगले 25 साल से भी कम समय में भारत और चीन दुनिया की 2 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं बन सकते हैं और अमेरिका तीसरे नंबर पर जा सकता है। उनका यह भी मानना है कि 21वीं सदी के आगे के हिस्से में भारत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। इसके पीछे वह भारत की आबादी और चीन की बदलती जनसांख्यिकी को अहम कारण मानते हैं। चीन में आबादी घटने की दिशा में है, जबकि भारत की बड़ी आबादी आने वाले दशकों में कामकाजी लोगों की बड़ी ताकत बन सकती है।

विश्व की ताकत फिर एशिया में क्यों

सैक्स का कहना है कि दुनिया की आर्थिक ताकत का केंद्र एशिया की तरफ लौट आया है। उनके मुताबिक, 1800 के दशक से पहले 2,000 साल तक दुनिया की आर्थिक गतिविधियों का बड़ा हिस्सा एशिया में था। अब चीन व भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था के साथ यह स्थिति लौट सकती है।

ब्रिक्स को बताया अहम ताकत

सैक्स ने ब्रिक्स को भी मल्टीपोलर दुनिया बनाने में अहम बताया। उनके मुताबिक, ब्रिक्स देशों का हिस्सा दुनिया की अर्थव्यवस्था में करीब 40% है। ऐसे में यह समूह एकतरफा फैसलों और किसी एक शक्ति के दबदबे के खिलाफ बड़ा संतुलन बना सकता है।

भारत के लिए क्या मतलब

भारत के सामने आने वाले वर्षों में अमेरिका और पश्चिमी देशों के साथ रिश्ते मजबूत करने का विकल्प नहीं है। चीन, रूस व ब्रिक्स के देशों के साथ भी आर्थिक रिश्ते भारत की ताकत बढ़ा सकते हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524